बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 90 | शनिवार 22 जुलाई 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें

मो0-9456278011

जी-20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए पीएम मोदी, कहा- रोजगार का मुख्य चालक बन गई टेक्नोलॉजी

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड के दौरान भारत में फंटलाइन स्वास्थ्य और अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए अद्भुत काम ने उनके कौशल और समर्पण को दिखाया। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया में कौशल कार्यबल के सबसे बड़े प्रदाताओं में से एक बनने की क्षमता है।

नई दिल्ली। 21 जुलाई (शुक्रवार) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि यह बैठक ऐसे देश में हो रही है, जिसके पास प्रौद्योगिकी-आधारित परिवर्तन के दौरान भी बड़ी संख्या में प्रौद्योगिकी नौकरियां निकालने का अनुभव है।

'रोजगार का मुख्य चालक बनी प्रौद्योगिकी

पीएम मोदी ने कहा, चौथी औद्योगिक क्रांति के इस युग में, प्रौद्योगिकी रोजगार का मुख्य चालक बन गई है और आगे भी बनी रहेगी। यह सौभाग्य की बात है कि यह बैठक ऐसे देश में हो रही है, जिसके पास पिछले ऐसे प्रौद्योगिकी-आधारित परिवर्तन के दौरान बड़ी संख्या में प्रौद्योगिकी नौकरियां पैदा करने का अनुभव है।

उन्होंने कहा, हम सभी को अपने कार्यबल को उन्नत प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं के उपयोग में कुशल बनाने की आवश्यकता है। स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग भविष्य के कार्यबल के लिए मंत्र हैं। भारत में हमारा स्किल इंडिया मिशन इसी वास्तविकता से जुड़ने का एक अभियान है।

भारत के पास कौशल कार्यबल के सबसे बड़े प्रदाता बनने की क्षमता

कोविड काल में फ्रंटलाइन कर्मचारियों के बारे में बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ÷कोविड के दौरान भारत में फ्रंटलाइन स्वास्थ्य और अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए अद्भुत काम ने उनके कौशल और समर्पण को दिखाया। यह हमारी सेवा और जुनून की संस्कृति को भी दर्शाता है। दरअसल, भारत में दुनिया में कौशल कार्यबल के सबसे बड़े प्रदाताओं में से एक बनने की क्षमता है।

युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने की अपार संभावनाएं

स्किल इंडिया मिशन को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, लचीली कार्य व्यवस्था प्रदान करता है और आय स्रोतों की भी पूर्ति करता है। इसमें

विशेषकर युवाओं के लिए लाभकारी रोजगार पैदा करने की अपार संभावनाएं हैं। यह महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक परिवर्तनकारी उपकरण भी हो सकता है। इसकी क्षमता का एहसास करने के लिए, हमें नए जमाने के श्रमिकों के लिए नए जमाने की नीतियां और हस्तक्षेप डिजाइन करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ÷इन कर्मचारियों और श्रमिकों के संबंध में आंकड़े, सूचना और डेटा साझा करना शुरुआत करने का एक शानदार तरीका हो सकता है। यह दुनिया भर के देशों को बेहतर कौशल, कार्यबल योजना और लाभकारी रोजगार के लिए साक्ष्य आधारित नीतियां बनाने के लिए सशक्त बनाएगा।

कौशल के विकास करने में जी20 निभाए मुख्य भूमिका

पीएम मोदी ने कहा, अब सही अर्थों में कौशल के विकास और साझाकरण को वैश्वीकृत करने का समय आ गया है। जी20 को इसमें अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। मैं कौशल और योग्यता आवश्यकताओं के आधार पर व्यवसायों का अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ शुरू करने के आपके प्रयासों की सराहना करता हूं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समन्वय तथा प्रवासन और गतिशीलता भागीदारी के नए मॉडल की आवश्यकता है।÷

उन्होंने कहा, अब सही अर्थों में कौशल के विकास और साझेदारी को वैश्वीकृत करने का समय आ गया है। जी 20 को इसमें मुख्य भूमिका निभानी चाहिए। मैं कौशल और योग्यता के आधार पर पासपोर्ट का अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ शुरू करना चाहता हूं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तथा पर्यटन और विशेषाधिकारी भागीदारी के नए मॉडल की आवश्यकता है।

महाराष्ट्र, राजस्थान समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली में अभी सताएगी गर्मी

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर राज्यों में मानसून की भारी बारिश देखने को मिल रही है। कई जगह ये बारिश कहर बनकर भी बरस रही है। महाराष्ट्र, गुजरात और असम के कई इलाकों में इसके चलते तबाही मची है। इस बीच मौसम विभाग ने आज भी महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और यूपी जैसे कई राज्यों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। दूसरी ओर राजधानी दिल्ली में अगले दो दिन तक बारिश के आसार कम हैं और लोगों को उमस भरी गर्मी ही झेलनी पड़ सकती है।

महाराष्ट्र-राजस्थान समेत इन राज्यों में अलर्ट

मौसम विभाग ने महाराष्ट्र के कई जिलों में आज फिर भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विदर्भ में आज तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

राहुल-प्रियंका ने दी खड़गे को जन्मदिन की शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन रिपीट मल्लिकार्जुन खड़गे को जन्मदिन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

श्री गांधी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। आपकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता हम सबके लिए प्रेरणा है। आपके लिए ढेर सारा प्रेम व्यक्त करते हुए अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

श्रीमती वाड्रा ने कहा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं। आपकी विद्वत्ता और अनुभव देश भर के सभी कांग्रेसियों और महिलाओं के लिए शक्ति का स्रोत है। गौरतलब है कि श्री खड़गे का जन्म 21 जुलाई 1942 में कर्नाटक में बीदर जिले के वरावत्ती, भालकी तालुक में हुआ था।

जयपुर में भूकंप, 16 मिनट में 3 झटके, विस्फोट जैसी आवाज आई

सुबह 4 बजे लोग घरों और अपार्टमेंट्स से आए बाहर

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर शुक्रवार को भूकंप से हिल गई। यहां सुबह 4 बजकर 9 मिनट से 4 बजकर 25 मिनट के बीच 3 झटके महसूस किए गए। फिलहाल भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलोजी के अनुसार तीन झटके आए हैं। भूकंप का पहला झटका 4:09 पर आया, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.4 थी। दूसरा झटका 4:22 पर आया, जिसकी तीव्रता 3.1 और तीसरा झटका 4:25 पर आया, जो 3.4 तीव्रता का था।

स्थानीय लोगों ने बताया कि

एक के बाद एक भूकंप के झटके महसूस किए। विस्फोट जैसी आवाज सुनाई दी। लोग डर की वजह से सुबह 4 बजे घरों और अपार्टमेंट्स से बाहर निकल आए। भूकंप के बाद कई इलाकों में बिजली गुल हो गई।

ऐसा लगा जैसे जहाज गिर रहा हो

मानसरोवर इलाके के शिप्रा पथ स्थित यूनीक प्राइम अपार्टमेंट में रहने वाले गौरव बहादुर थापा ने बताया कि बहुत जोर से बिल्डिंग हिलने की आवाज आई। ऐसा लगा जैसे जहाज गिर रहा है। विद्याधर नगर में रहने वाले बुजुर्ग रामस्वरूप अग्रवाल ने बताया कि जयपुर में इससे पहले भी झटके महसूस किए हैं, लेकिन इतना तेज भूकंप पहली बार महसूस हुआ।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी का ट्वीट...

पार्क में जाकर बैठे लोग

तीन बार झटके आने की वजह से लोग सहम गए और आसपास स्थित पार्क व खुले मैदानों में जाकर बैठ गए। वहीं कुछ लोग सड़क पर कुर्सी लगाकर स्थिति सामान्य होने का इंतजार करते रहे।

2023 में भारत में इतने करोड़ हो जाएगी मुसलमानों की आबादी, क्या कहता है अनुमान

नई दिल्ली। भारत में साल 2023 के अंत तक मुस्लिम आबादी 20 करोड़ के पास पहुंच जाएगी। लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की तरफ से यह जानकारी दी गई है। इस दौरान उन्होंने देश में मुसलमानों की साक्षरता और श्रम से जुड़े आंकड़े भी साझा किए हैं। खास बात है कि ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारत ने आबादी के लिहाज से दुनिया में पहले स्थान पर पहुंच गया है। तृणमूल कांग्रेस सांसद माला रॉय की तरफ से अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय से संसद में तीन सवाल पूछे गए थे। पहला, क्या मुस्लिम आबादी को लेकर 30 जुलाई 2023 तक का कोई डेटा है? । दूसरा, क्या सरकार के पास पसमांदा मुसलमानों की आबादी का कोई डेटा है? । तीसरा, 31 जुलाई 2023 तक पसमांदा मुसलमानों की सामाजिक आर्थिक स्थिति की कोई जानकारी है?

आबादी

मंत्री ईरानी ने बताया, 2011 जनगणना के अनुसार, मुस्लिम आबादी 17.22 करोड़ थी, जो देश की आबादी का 14.2 फीसदी थी। टेक्निकल ग्रुप ऑन पॉप्युलेशन प्रोजेक्शन की जुलाई 2020

की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में देश की आबादी 138.82 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया था। 2011 सेंसस की तरह उसी अनुपात 14.2 फीसदी को लागू करते हुए 2023 में मुस्लिम आबादी 19.75 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है।

राहुल की याचिका पर अब चार अगस्त को सुनवाई; गुजरात सरकार व अन्य को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट मोदी सरनेम टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका पर गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने मानहानि मामले में गुजरात राज्य को भी नोटिस जारी किया। पूर्णेश ने नोटिस का जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट से 21 दिन का समय मांगा, लेकिन कोर्ट ने उन्हें 10 दिन की मोहलत दी। कोर्ट ने कहा कि इस स्तर पर सीमित प्रश्न यह है कि क्या दोषसिद्धि निलंबित किए

जाने योग्य है? मामले की अगली सुनवाई चार अगस्त को होगी।

इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने हाईकोर्ट के फैसले को शीर्ष अदालत ने चुनौती दी। याचिका में कहा गया कि अगर विवादित फैसले पर रोक नहीं लगाई गई, तो इससे स्वतंत्र भाषण, स्वतंत्र अभिव्यक्ति, स्वतंत्र विचार और स्वतंत्र बयान का दम घुट जाएगा। याचिका में यह भी कहा गया कि राहुल को दोषी ठहराने और दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार करने की गलती तीन बार की गई। यह और भी बड़ा कारण है कि शीर्ष कोर्ट को जल्द से जल्द मामले में दखल दे और जो भी नुकसान हुआ, उसे रोके।

याचिका में कहा गया कि अगर याचिकाकर्ता की सजा पर राक नहीं लगाई गई तो वह अपने करियर के अहम आठ साल गंवा सकते हैं। राहुल ने याचिका में कहा कि अगर हाईकोर्ट के फैसले पर रोक नहीं लगाई गई तो इससे लोकतांत्रिक संस्थानों को व्यवस्थित तरीके से बार-बार कमजोर करने की कोशिशों को बल मिलेगा। इससे लोकतंत्र का दम घुट जाएगा। यह भारत के राजनीतिक माहौल और भविष्य के लिए हानिकारक होगा।2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, 'कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है?' इसी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। राहुल के खिलाफ आईपीसी की धारा 499 और 500 (मानहानि) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मणिपुर में फूटा दरिंदों के खिलाफ गुस्सा, महिलाओं की न्यूड परेड के आरोपी का घर फूंका

इम्फाल। मणिपुर में भीड़ द्वारा दो महिलाओं को नंगा करके घुमाने का वीडियो वायरल होने से बवाल मचा हुआ है। वीडियो सामने आने के दो दिन बाद मुख्य आरोपी के घर को शुक्रवार को उपद्रवियों ने जला दिया। वायरल वीडियो में मणिपुर के कांगपोकपी जिले में महिलाओं को भीड़ द्वारा नग्न अवस्था में घुमाते हुए दिखाया गया है। आरोप है कि महिलाओं का गैंगरेप भी किया गया। कांगपोकपी जिले के एक गांव में हुई यह घटना 3 मई को जातीय हिंसा भड़कने के एक दिन बाद हुई। हालांकि इसके फुटेज बुधवार को ही सामने आए। सोशल मीडिया में तेजी से फैल गया। सरकार के आदेश के बाद इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा लिया गया। यह घटना 4 मई को हुई थी। शिकायत 18 मई को दर्ज की गई थी। इसे 21 जून को पुलिस स्टेशन में भेज दिया गया था। और सोशल मीडिया पर नाराजगी के बाद पहली गिरफ्तारी गुरुवार को हुई। कई मायनों में गिरफ्तारी को अंजाम देने में मणिपुर सरकार की गति ने उनकी कार्रवाई की पूरी कमी को उजागर कर दिया। एक के बाद एक चूक पर चुप्पी साध ली गई। 77 दिनों तक इस पर पर्दा डालने का प्रयास किया। पहली शिकायत 18 मई को काकंगपोकपी जिले के सैकुल पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। शिकायत विस्तृत थी

और इसमें घातक हथियार के साथ डकैती, अपहरण, हमला, बलात्कार और हत्या की धाराएं शामिल थीं। मामले को नोंगपोक सेकमाई पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित करने में पुलिस को एक महीने और तीन दिन लग गए। 21 जून को मामला नोंगपोक सेकमाई पुलिस स्टेशन के पास आया। ऐसा लगता है कि एफआईआर में देरी की बात स्वीकार की गई है। एफआईआर में ग्राम प्रधान के हवाले से बताया गया है कि भीड़ ने लूटपाट और अन्य घटनाओं को अंजाम दिया।

भीड़ ने गांव पर बोला था धावा

रिपोर्ट में ग्राम प्रधान के हवाले से कहा गया है कि भीड़ एके राइफल, एसएलआर, इंसास और .303 राइफल जैसे घातक हथियार लैस थी। भीड़ ने गांव में धावा बोल दिया। सभी के घरों में तोड़फोड़ की। इसके साथ ही नकदी लूटने के बाद सामान बर्तन और कपड़े जला दिए। अधिकारियों ने स्वीकार किया कि उन्हें पता था कि गांव संवेदनशील है। 150 निवासियों में से करीब 90 को पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने पहले ही निकाल लिया था। एक अधिकारी ने बताया कि इनमें से अधिकांश ग्रामीण सरकार द्वारा संचालित शिविरों में रह रहे हैं।

नए नामकरण के अलावा विपक्ष में कुछ नहीं बदला

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

विपक्ष के अनेक नेता घोटालों में आरोपों का सामना कर रहे हैं। न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप कार्रवाई चल रही ही। इसे वह संस्थाओं और प्रजातंत्र पर हमला बता रहे हैं। नेशनल हेराल्ड घोटाला, चारा घोटाला, नौकरी के बदले जमीन आदि प्रकरण अपने में बहुत कुछ कहने वाले हैं। गठबंधन में महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला भी शामिल हैं। कश्मीर में संवैधानिक सुधारों के दौरान इनके बयानों को देश भूला नहीं है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि अन्य विपक्षी पार्टियां जम्मू-कश्मीर पर इनके विचारों का कितना समर्थन करेंगी।

बेंगलुरू में विपक्षी दलों के जुटान के बीच लोकसभा चुनावों के मद्देनजर गठबंधन के नामकरण के लिए भारी भरकम शब्दों का चयन किया। पर उनकी राजनीति में इसका फिट होना मुश्किल है। विपक्षी दलों गठबंधन को इंडिया नाम दिया गया। यह जोड़-तोड़ कर बनाया गया नाम है- इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि हमारा सभ्यतागत संघर्ष भारत और इंडिया के आसपास केंद्रित है। अंग्रेजों ने हमारे देश का नाम इंडिया रखा। हमें खुद को औपनिवेशिक विरासत से मुक्त करने का प्रयास करना चाहिए।

वैसे इस नामकरण के चलते विपक्षी दलों की जवाबदेही बढ़ गई है। अब उन्हें यह बताना होगा कि डेवेलपमेंट के मुद्दे पर उनकी कितनी विश्वसनीयता है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गंठबंधन (संप्रग) को दस वर्ष (सन् 2004 से 2014 तक) सरकार चलाने का अवसर मिला। पश्चिम बंगाल में डेढ़ दशक से तृणमूल की सरकार है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को भी अवसर मिला है। बताया गया कि गठबंधन बैठक मे शामिल हुए दलों की 11 प्रदेशों में सरकारें हैं। लेकिन बिडम्बना देखिए कि बेंगलुरु बैठक में किसी ने भी अपनी सरकार के विकास कार्यों पर एक शब्द भी नहीं कहा। वह मोदी सरकार पर हमलावर रहे। लोकतंत्र, संविधान, सामाजिक सौहार्द की दुहाई देते रहे। लेकिन किसी ने यह नहीं बताया कि अभी बंगाल में हुए पंचायती चुनाव मे लोकतंत्र और संविधान का कितना सम्मान हुआ। बंगाल में विधानसभा चुनाव के समय भी व्यापक हिंसा हुई थी।

विपक्ष के अनेक नेता घोटालों में आरोपों का सामना कर रहे हैं। न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप कार्रवाई चल रही ही। इसे वह संस्थाओं और प्रजातंत्र पर हमला बता रहे हैं। नेशनल हेराल्ड घोटाला, चारा घोटाला, नौकरी के बदले जमीन आदि प्रकरण अपने में बहुत कुछ कहने वाले हैं। गठबंधन में महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला भी शामिल हैं। कश्मीर में संवैधानिक सुधारों के दौरान इनके बयानों को देश भूला नहीं है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि अन्य विपक्षी पार्टियां जम्मू-कश्मीर पर इनके विचारों का कितना समर्थन करेंगी। उद्धव ठाकरे की शिवसेना का अस्तित्व संकट में है। उसके प्रवक्ता कहते हैं कि अब भाजपा को इंडिया के खिलाफ लड़ना होगा। मतलब मात्र नामकरण से ही इनका पूरे देश में प्रभाव कायम हो गया है।

सीपीआई नेता डी. राजा ने जो कहा वह बंगाल पर ज्यादा लागू होता है। उन्होंने सुरक्षा, प्रजातंत्र जैसे विषय उठाए। आरोप मोदी सरकार पर लगाया, निशाने पर बंगाल सरकार थी। महबूबा मुफ्ती आरोप लगाती हैं कि देश आंतरिक रूप उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है, जहां हमारा अस्तित्व ही खत्म हो गया है। हमारे देश में सब कुछ दांव पर है। साफ है यह उनकी अपनी राजनीतिक पीड़ा अभिव्यक्त हो रही थी। उमर अब्दुल्ला भी बेचैन हैं। जम्मू-कश्मीर के संवैधानिक सुधारों ने इनकी पुश्तैनी सियासत पर ग्रहण लगा दिया है। सबकी अलग अलग समस्या और उम्मीद को देखते हुए विपक्षी गठबंधन का नया नामकरण निरर्थक ही लग रहा है।

ममता बनर्जी से बंगाल संभल नहीं रहा है। वहां अराजकता का माहौल है। पंद्रह साल बाद भी वह विकास पर बात नहीं करतीं। लेकिन दावा करती हैं कि इंडिया को बचाना है, देश को बचाना है। भारत जीतेगा, इंडिया जीतेगा, देश जीतेगा, भाजपा हारेगी। राहुल गांधी का विगत नौ वर्षो से एक ही अंदाज है। एक बार फिर उन्होंने कहा कि यह लड़ाई विपक्ष और भाजपा के बीच नहीं है। देश की आवाज को कुचला जा रहा है, यह लड़ाई देश के लिए है। इसलिए इंडियन नेशनल डेवेलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस (INDIA) नाम चुना गया। यह NDA और INDIA की लड़ाई है। नरेन्द्र मोदी और इंडिया के बीच लड़ाई है। उनकी विचारधारा और इंडिया के बीच की लड़ाई है। भारत की संस्थाओं पर हमला हो रहा है। हमारी लड़ाई बीजेपी की विचारधारा के खिलाफ है। ये लड़ाई भारत बनाम बीजेपी है। ये भारत बनाम पीएम मोदी की लड़ाई है। दिल्ली की बाढ़ आपदा की अनदेखी कर अरविंद केजरीवाल भी बेंगलुरु पहुँचे थे। वह भी देश को बचाने के लिए बेकरार थे। कहा कि एक तरफ देश को नफरत से बचाना है और दूसरी तरफ एक नए भारत का सपना लेकर हम सब इकट्ठा हुए हैं।

जिस दिन बेंगलुरू में विपक्षी दल केन्द्र सरकार के विरूद्ध एकजुट होकर नए नामकरण से गदगद थे, उसी समय नई दिल्ली में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बैठक में सकारात्मक विचार विमर्श हुआ। नौ वर्षों में विकास के अभूतपूर्व कार्य गिनाए गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी पार्टियों पर हमला बोला। कहा कि 'इन लोगों को भ्रष्टाचार से इन लोग को बहुत प्रेम है। ये लोग परिवारवाद के समर्थक है। ये लोग परिवार प्रथम के लिए काम करते हैं। परिवारवादी पार्टी ने देश का विकास नहीं किया। बंगाल के पंचायत चुनाव में हिंसा हुई लकिन इन पार्टियों ने कुछ नहीं बोला। शराब घोटाले पर भी ये पार्टियां कुछ नहीं बोलती हैं। भाजपा ने विपक्ष में भी सकारात्मक राजनीति की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने कभी नकारात्मक राजनीति का रास्ता नहीं चुना। सरकारों का विरोध करने के लिए कभी विदेशी मदद नहीं मांगी। सत्ता की मजबूरी, परिवारवाद, जातिवाद और क्षेत्रवाद को ध्यान में रखकर किया गया गठबंधन देश का बहुत नुकसान करता है। पहले सत्ता के गलियारे में जो बिचौलिए घूमते थे, हमने उनको बाहर कर दिया है। जन-धन, आधार और मोबाइल की त्रिशक्ति से लगभग तीस लाख करोड़ रुपए डीबीटी के जरिए लाभार्थियों के खाते में पहुंचे। लगभग तीन लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचाया है। नौ वर्ष पहले देश की अर्थव्यवस्था टॉप दस से बाहर थी, आज देश विश्व की पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन चुका है। देश तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। नरेन्द्र मोदी कहा कि एक ही लक्ष्य है - विकास, भारत का विकास। भारत के कोटि-कोटि लोगों का विकास।

संपादकीय

तय हो जवाबदेही

उत्तराखंड़ के चमोली जिले में नमामि गंगे परियोजना के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में बिजली का करंट फैलने के बाद उसकी चपेट में आए 16 लोगों की मौत हो गई और 11 लोग झुलस गए। प्रथम दृष्ट्या कहा जा सकता है कि यह प्राकृतिक नहीं, मानवजनित हादसा है, जो अत्यंत पीड़ादायक है। उत्तराखंड़ पावर कॉरपोरेशन लि. और उत्तराखंड़ जल संस्थान के अधिकारियों के बयानों से प्रतीत होता है कि हादसा मानवीय भूल और लापरवाही का मिलाजुला परिणाम है। इस परियोजना में कार्यरत विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल नहीं था। एसटीपी में आइ़ तकनीकी खामियों-खराबियों का पता लगाए बिना दोबारा बिजली की आपूर्ति करना और किसी की जवाबदेही सुनिश्चित नहीं करना हादसे की बड़ी वजह हो सकती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने करंट से लोगों की मौत के मामले में मजिस्ट्ररयल जांच के आदेश दे दिए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि एसटीपी परिसर के आसपास बिजली के झटके लगने की घटनाएं पहले भी कई बार हो चुकी हैं। यहां काम करने वाले कुछ मजदूर इस तरह की शिकायतें पहले भी कर चुके हैं, लेकिन करंट लगने से किसी की मौत नहीं हुई थी। हादसे के बारे में बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात को एसटीपी का मेन स्विच बंद करने के दौरान ऑपरेटर गणेश लाल की करंट लगने से मौत हो गई। बुधवार की सुबह जब वह घर नहीं लौटे तो परिजन एसटीपी स्टेशन पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मृतक गणेश लाल के शव का पंचनामा कराने लगी। इस बीच गणेश के हरमनी गांव और आसपास के करीब 25-30 ग्रामीण मुआवजा की मांग करने लगे। इसी दौरान बिजली स्विच चालू करते ही परिसर में करंट दौड़.गया। लोगों को कुछ समझ नहीं आया और देखते-ही-देखते 16 लोग मौत का शिकार हो गए। जैसा कि आम तौर पर होता है कि किसी बड़े.हादसे के बाद आरोप-प्रत्यारोप का खेल शुरू हो जाता है। यहां भी उत्तराखंड़ पावर कॉरपोरेशन और उत्तराखंड़ जल संस्थान हादसे का ठीकरा एक दूसरे के सिर पर फोड़.रहे हैं। सूबे की जनता जाना चाहती है कि 16 निर्दोष लोगों की मौत का जिम्मेदार आखिर, कौन है? उम्मीद है कि निष्पक्ष जांच होगी और सरकार दोषियों को कड़ी-से-कड़ी सजा दिलवाएगी। चाहे वे कितने ही रसूख वाले क्यों न हों।

चिंतन-मनन

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रुपए पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शाछा और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके।

अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित करके ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें। भागवत कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही सदैव चिंतित रहता है। ईश्वर के लिए न तो उनके पास समय होता है और न भक्ति भावना। धन के अहंकार में व्यक्ति ईश्वरीय सत्ता को भी चुनौती देने लगता है। तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल मानकर उनका अपमान करता है। इसलिए ही कहा गया है कि अध्यात्मिक धन और सांसारिक धन एक साथ नहीं मिल सकता है।

आरक्षण की आग में झुलसा मणिपुर,पूर्वोत्तर राज्यों में सुलगी आग

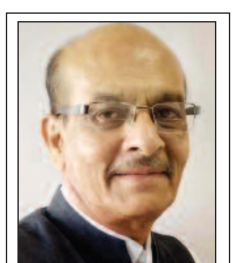

सनत जैन

मणिपुर में आरक्षण की आग को लेकर, भारी हिंसा हुई है। सैकड़ों लोगों की जान चली गई है। सैकड़ों महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया गया है,भारी हिंसा हुई है, शासन और प्रशासन हाथ पर हाथ रखे बैठा हुआ है। इसी तरह की एक घटना 16 साल पहले असम में भी हो चुकी है। वहां पर भी आरक्षण की आग को लेकर आसाम उस समय झुलस गया था। लगभग 150 साल से रह रहे झारखंड के आदिवासियों को असम का आदिवासी नहीं मानने पर, भारी हिंसा हुई थी। उस समय भी कुछ आदिवासियों की मृत्यु हुई थी। कुछ घायल हो गए थे। उस समय भी भीड़ ने एक महिला का नग्न अवस्था में जुलूस निकाला था।

मणिपुर में यूपीए की सरकार के समय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2008 में एक समझौता किया था। जिसके कारण नगा, कुकी और मेतई समुदाय के बीच में एक समन्वय बना था। समझौते के पहले नगा और कुकी समुदाय के लोग हिंसा पर उतारू रहते थे। सेना और पुलिस के साथ उनकी सीधी भिड़ंत होती थी। मनमोहन सिंह की सरकार ने यहां पर शांति स्थापित करने में सफलता प्राप्त की थी। मणिपुर में तीन संस्कृति के लोग, हजारों वर्षों से निवास करते हैं। जिनकी अपनी संस्कृति और परंपराएं हैं। नगा और कुकी समुदाय के लोग पहाड़ों पर काबिज हैं। वहीं मेतई समुदाय के लोग मैदानी इलाकों में रहते हैं। विवाद की मूल वजह पहाड़ी बनाम घाटी की इस लड़ाई में मैतई समुदाय को आरक्षण देकर पहाड़ों की जमीन खरीदने और जमीनों पर कब्जा करने का अधिकार देने की जो कोशिश, मणिपुर की सरकार द्वारा की गई है। उसके बाद से ही मणिपुर जल रहा है।

पिछले ढाई महीने में मणिपुर के सरकारी मालखाने से 3000 से ज्यादा बंदूकें लूट ली गई। छह लाख से ज्यादा कारतूस दोनों समुदायों के लोगों ने अपने-अपने इलाकों से लूट लिए। पहले 5 दिनों की हिंसा में जो लोग मारे गए, उनकी काफी बड़ी संख्या थी। 70 लोगों का शव अभी भी मोर्चरी में रखा हुआ है। न्यायालय के आदेश के बाद भी शव उनके परिजनों को नहीं सौंपे जा सके हैं। मृतकों के परिजन वहां से भागकर अन्य जगह पर चले गए हैं। जहां पर शव रखे हैं। वहां से शव ले जाना उनके परिजनों के लिए सुरक्षित नहीं है। मणिपुर की आबादी 2011 की जनगणना में 28 लाख 55794 थी। मई माह में हुई हिंसक घटनाओं के बाद 60 हजार लोग शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए विवश हैं। हजारों लोग मणिपुर छोड़कर दूसरे राज्यों में चले गए हैं। मणिपुर में 60,000 से ज्यादा अर्धसैनिक बल और पुलिस तैनात है। मणिपुर में हिंसा की अभी तक 5000 से ज्यादा घटनाएं हो चुकी है। विभिन्न पुलिस थाने में 6000 से अधिक एफआईआर दर्ज है। पिछले ढाई महीने में लगभग 147 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। जिन महिलाओं के नग्न अवस्था में वीडियो वायरल हुए हैं। इन्होंने थाने में जाकर शरण ली थी। भीड़ इन महिलाओं को थाने से निकाल कर ले गई थी। उन महिलाओं के साथ मैं मेतई समुदाय की भीड़ ने अमानुषिक कृत्य किया। उसके भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मेतई समुदाय को उकसाने के लिए एक फर्जी वीडियो वायरल होने की बात भी सामने आई है। इसके बाद भी पुलिस ने लगभग ढाई महीने तक आरोपियों को ना तो गिरफ्तार किया। नाही अपराध की एफआईआर लिखी। 4 मई की हुई इस घटना के बाद से पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन से विश्वास पूरी तरह से कुकी और नगा समुदाय का खत्म हो गया था। कुकी और नगा समुदाय 2008 के पहले सेना और पुलिस के साथ सशस्त्र विद्रोह करते रहे हैं। इसके बाद भी राज्य सरकार ने आरक्षण का मुद्दा उठाकर, शांत जल में बड़ा पत्थर फेंककर गैर जिम्मेदाराना तरीके से मणिपुर की शांति को ना केवल अशांति में बदला है। बरन मणिपुर की सरकार इस बात के लिए भी दोषी है। जिसमें सैकड़ों गिरजाघर जलाए गए हैं। हजारों घर मणिपुर की हिंसक वारदात और आगजनी में सभी समुदाय के जला दिए गए हैं। लोगों के दुकान, मकान बड़े पैमाने पर बर्बाद हुए हैं। विधानसभा चुनाव के पहले राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा ने मेतई समुदाय को यह विश्वास दिलाया था, कि उन्हें एसटी का दर्जा दिया जाएगा। पहाड़ी क्षेत्रों की जमीनों को वह अपने कब्जे में करने और खरीदने के अधिकार दिए जाएंगे। जिसके कारण अल्पसंख्यक नगा और कुकी समुदाय के लोग अपने आपको असुरक्षित मानने लगे। सरकार ने भी बिना सोचे समझे आरक्षण की अधिसूचना जारी करके, अशांति को फैलाने का काम किया है। इसका असर अब सभी

पूर्वोत्तर राज्यों में पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। मणिपुर आग की लपटें,अब अन्य पूर्वोत्तर राज्यो मे फैलती हुई दिख रही है। केंद्र सरकार इन परिस्थितियों में हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है, जो चिंता को और भी बढ़ाने का कारण है। 2008 का जो अनुबंध मनमोहन सिंह सरकार के समय पर मणिपुर में हुआ था। उसके बाद से मणिपुर में शांति थी। सभी लोग आपस में मिलकर रह रहे थे। लेकिन वर्तमान वीरेन सिंह की सरकार ने उस अनुबंध को रद्द कर, इस विवाद की आग में घी डालने का काम किया है। जिसके परिणाम अब सभी के सामने हैं। अब सब अपनी अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। एक दूसरे के ऊपर आरोप लगाकर अपने आप को बचाना चाहते हैं।

ड़ीजीसीएः सख्ती से लागू हों नियम

रजनीश कपूर

जब भी कभी कोई विमान हादसा होता है या होते-होते टल जाता है तो भारत का नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए ऐसी घटना की जांच करता है। ऐसे मामलों में जांच पूरी होने तक डीजीसीए उस विमान के पायलट व क्रू को 'ग्राउंड' कर देता है यानी उड़ान भरने पर रोक लगा देता है। सवाल है कि क्या डीजीसीए का सिर्फ इतना ही फर्ज है? सवाल ये भी है कि क्या ऐसी दुर्घटनाओं के बाद की जाने वाली ऐसी जांच में केवल एयरलाइन के स्टाफ की ही गलती क्यों सामने आती है? क्या डीजीसीए के अधिकारियों को हवाई जहाज की नियमित जांच और रख-रखाव की पड़ताल नहीं करनी चाहिए, जो उनका फर्ज है? यदि डीजीसीए द्वारा ऐसे निरीक्षण समय-समय पर होते रहें तो ऐसे हादसे टाले जा सकते हैं।

आज हम देश की एक नामी एयरलाइन इंडिगो के बारे में बात करेंगे। निजी क्षेत्र की यह एयरलाइन पिछले महीने काफी सुर्खियों में रही। कारण था इसके विमानों में लैंडिंग के समय होने वाली टेलस्ट्राइक। जब भी कभी विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकरा जाता है उसे टेलस्ट्राइक कहते हैं। अक्सर एयरलाइन कंपनियां ऐसी घटनाओं को रिपोर्ट नहीं करतीं। गौरतलब है कि टेलस्ट्राइक की घटना जानलेवा होने के साथ-साथ विमान में हवा का दबाव को स्थिर रखने वाले ढांचे को भी नुकसान पहुंचा सकती है। टेलस्ट्राइक विमान के टेकऑफ या लैंडिंग के समय होती है। जब भी कभी किसी भी विमान के साथ ऐसा हादसा होता है तो उसे मरम्मत करने के लिए ग्राउंड कर दिया जाता है। भारत के नागरिक उड्डयन इतिहास में टेलस्ट्राइक की घटनाएं काफी कम हैं। इंडिगो के विमानों ने बीते एक साल में केवल चार घटनाओं को ही रिपोर्ट किया, जबकि सूत्रों के अनुसार यह संख्या इससे दोगुनी है। जैसे ही इंडिगो द्वारा चार घटनाओं की पुष्टि हुई तो डीजीसीए हरकत में आया। यहां सवाल उठता है कि क्या डीजीसीए द्वारा की जाने वाली इस अनदेखी के लिए केवल इंडिगो ही जिम्मेदार है? क्या डीजीसीए ने इंडिगो के विमानों का नियमित ऑडिट किया था? ऐसी घटनाओं के बाद ही डीजीसीए को क्यों ऑडिट करने की सूझी? यदि डीजीसीए के अधिकारी एयरलाइन की न सुनकर, कानून के हिसाब से हर एयरलाइन का नियमित व विस्तृत ऑडिट करते रहें तो डीजीसीए पर उंगलियां नहीं उठेंगी। पर पता नहीं किस लालच या दबाव में ये जांच नहीं होती। अब प्रश्न ये है कि टेलस्ट्राइक की घटनाएं क्यों होती हैं? विमान को लैंड करते समय, यात्रियों को जोर का झटका न लगे इसलिए अक्सर पायलट विमान को नीचे उतारते समय विमान के पिछले हिस्से को थोड़ा झुका लेते हैं और अगले हिस्से को उठा लेते हैं। ऐसे में विमान की 'सॉफ्ट लैंडिंग' होती है। यदि विमान लैंड होते समय जोर से झटका लगाता है तो उसे 'हार्ड लैंडिंग' कहा जाता है। विमान में लगे यंत्रों में तयशुदा मापदंडों से अधिक लगने वाले झटके से 'हार्ड लैंडिंग' की रिपोर्ट स्वतः ही विमान के सिस्टम में दर्ज हो जाती है। जिसका खामियाजा पायलट को भुगतना पड़ता है। इसलिए एयरलाइन अपने पायलटों को 'हार्ड लैंडिंग' से हमेशा बचने की हिदायत देतीं हैं, जबकि 2010 के मैंगलोर हादसे के बाद से ही डीजीसीए ने इस बात पर जोर दिया था कि एयरलाइन कंपनियां पायलटों को 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने के लिए दबाव न डालें। यदि जरूरी हो तो 'हार्ड लैंडिंग' की इजाजत भी दें। एविएशन के जानकारों के अनुसार टेलस्ट्राइक हो या विमान के इंजन में होने वाली कोई खराबी, इसका कारण नियमित रखरखाव का न होना, विमान के स्पेयर पार्ट की गुणवत्ता और पायलट की उचित ट्रेनिंग का न होना है। इसके साथ ही डीजीसीए के अधिकारियों द्वारा ऐसी कमियों को अनदेखा करना भी एक प्रमुख कारण है।

कोविड के बाद नागरिक उड्डयन क्षेत्र अपने पैरों पर फिर से खड़ा होने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में एयरलाइन कंपनियों को विमानों के रखरखाव में और पायलटों के प्रशिक्षण में किसी भी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। विमान के इंजीनियर हों, पायलट हों या अन्य कर्मचारी, उनसे क्षमता से अधिक काम न लिया जाए कि वो थकी अवस्था में भी काम करने को मजबूर न हों। पैसा बचाने व ज्यादा मुनाफा कमाने की मंशा से एयरलाइन को यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। एक अनुमान के तहत आने वाले दो दशकों में भारत का नागर विमानन ट्रैफिक 5 गुना बढ़ने की संभावना है। यदि इस क्षेत्र में हमें अच्छी पहचान बनानी है तो डीजीसीए के अधिकारियों को अपने स्वार्थों को दरकिनार करते हुए यात्रियों की सुरक्षा और एयरलाइन कंपनी के विमानों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। डीजीसीए के 'एयर सेफ्टी डिपार्टमेंट', 'फ्लाइट स्टैंडर्स डिपार्टमेंट', 'एयरक्राफ्ट इंजीनियरिंग' व 'एयरवर्थिनेस डिपार्टमेंट' जैसे विभागों को विमानों की जांच के हर पहलू को कड़ाई से लागू करना होगा। ऐसा करने से एक ओर हवाई यात्रा करने वाले यात्री अपने को सुरक्षित महसूस करेंगे। वहीं एयरलाइन कंपनियों को भी इस बात का खौफ बना रहेगा कि छोटी सी भूल के चलते उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी हो सकती है।

शून्य से शिखर की यात्रा जैसा रहा लालजी टंडन का जीवनः सीएम

● पूर्व राज्यपाल लालजी टंडन की तीसरी पुण्यतिथि पर सीएम योगी ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि
● सीएम बोले- अपने अनुभव और योग्यता से उन्होंने जहां भी कार्य किया वो उल्लेखनीय और अनुकरणीय है

संवाददाता
लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में भाजपा के वरिष्ठ नेता, स्थानीय विधायक, सांसद और बिहार व मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के राज्यपाल रहे लालजी टंडन की तीसरी पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लालजी टंडन ने लखनऊ में श्रद्धेय अटल जी की विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य किया था। उनकी स्मृतियों को हम सब नमन करते हैं। उनकी यात्रा वास्तव में शून्य से शिखर की यात्रा रही। एक सामान्य कार्यकर्ता, पार्षद, विधायक, विधान परिषद सदस्य,

प्रदेश सरकार में मंत्री, सांसद और बिहार व मध्य प्रदेश में राज्यपाल के रूप में उन्होंने अपने अनुभव और योग्यता का परिचय देकर जो लाभ प्रदेश और उन सभी राज्यों को दिया वह उल्लेखनीय है और व्यवस्था के लिए एक उदाहरण भी है। लखनऊ के साथ उनका एक आत्मीय संबंध था, जिसे यहां लोग आज भी स्मरण करते हैं। हर जाति, मत, मजहब के लोगों के साथ उनका संवाद और प्यार व

सम्मान अद्भुत है। आज वो हमारे बीच में नहीं हैं। उनकी तीसरी पुण्यतिथि पर प्रदेश शासन की ओर से उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस अवसर पर सीएम योगी के साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता भी सम्मिलित रहे।

गलत धंधा कर रही महिला से आस-पड़ोस की जनता परेशान, दिखाती है दबंगई

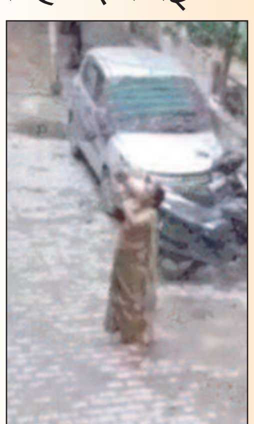

गाजियाबाद। धन बल के नशे में चूर एक महिला प्रताप विहार में रहती है बिल्कुल पुलिस चौकी के पीछे जनता बहुत परेशान है हर दो नंबर का धंधा करती है जब मोहल्ले के लोग उसको बोलते हैं तो वह बोलती है मेरी पुलिस से बहुत साठगांठ है और मैं यह काम तो करूंगी मेरी ऊपर तक शासन-प्रशासन में बहुत अच्छी पहुंच है जिसको जांच शिकायत करनी करके कर देख ले यह सब कार्य पुलिस की सांठगांठ में ही चलता है यह महिला पहले भी विजयनगर थाने किसी सज्जन पुरुष की शिकायत पर डासना जेल जा चुकी है चुकी है और कई दिन अपने परिवार सहित डासना जेल में बंद भी रह चुकी है पर आते ही आतंक फैला रखा है लड़के लड़कियों को घंटों के हिसाब से मकान किराए पर देती है हर तरह के नशे का व्यापार होता है नशा एवं खुल्लम खुल्ला सेक्स रैकेट चलाती है इसमें इस महिला उसके बाद भी महिला को किसी प्रकार का डर भय नहीं है इसे घर में कभी पुलिस का छापा पड़ता ही नहीं है और ना कभी पुलिस आती है पूछती है कि तुम्हारे घर में कौन-कौन रहता है इनकी पुलिस वेरिफिकेशन कहां है रेंट एग्रीमेंट कहां है क्यों घंटों के हिसाब से मकान किराए पर देती हो लड़कियां कहां से आती हैं इस सेक्स रैकेट में और कौन-कौन लोग शामिल है आप यहां पर अकेली क्यों रहती हो आपका परिवार कहां रहता है उनके साथ क्यों नहीं रहती हो यह आपका परिवार आपके साथ में रहता है।

जल के महत्व को समझना होगा ताकि आने वाला कल सुरक्षित रहेः सीएम योगी

संवाददाता
लखनऊ । भारतीय मनीषा इस बात को हमेशा मानती रही है कि जल है तो कल है। जल के बगैर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। ऐसे में जल के महत्व को समझना होगा ताकि आने वाला कल सुरक्षित रहे। इस क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में जागरुकता को लेकर निरंतर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने भूगर्भीय जल के गिरते स्तर को सुधारने के लिए वर्ष 2019 में एक अधिनियम बनाया। इसके तहत एक निश्चित सीमा से ऊपर किसी भी भवन के निर्माण के लिए नक्शा पास करने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग की अनिवार्यता की गयी। इसका यह परिणाम हुआ कि आज प्रदेश में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की संख्या बढ़ी है, जो हमारी भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। प्रदेश में जल को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभियान को अपनाते हुए प्रदेश में पर ड्रॉप मोर क्रॉप का अभियान चलाया जा

रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन में आयोजित भूजल सप्ताह के समापन समारोह में कही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 16 जुलाई से शुरू हुए भूजल सप्ताह कार्यक्रम का आज औपचारिक समापन हो रहा है, लेकिन वास्तव में शनिवार को वृहद वृक्षारोपण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। पूरे प्रदेश में वृक्षारोपण अभियान के तहत एक दिन में 30 करोड़ पौधे रोपित किए जाएंगे जबकि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 5 करोड़ वृक्षारोपण के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा। इसमें हम सबको बढ़चढ़कर अपनी भागीदारी करनी होगी। ऐसे ही हमे बरसात के पानी को एकत्रित करना है क्योंकि जितना भूगर्भीय जल का स्तर अच्छा होगा उतना ही हमें शुद्ध पानी मिलेगा। इसके विपरीत यह स्तर जितना नीचे जाएगा उससे ऑर्सेनिक और फ्लोराइड की शिकायत भी देखने को मिलेगी। इससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ेगा। डबल इंजन की सरकार लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इन सभी से बचाने के उपाय कर रही है, लेकिन एक नागरिक के रूप में हम सभी का दायित्व बनता है कि हम विचार करें कि स्वयं के लिए और अपने आने वाली पीढ़ी को क्या देकर जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि सरकार हर घर नल की योजना चला रही है। पिछले 6 वर्षों में हर घर में जल उपलब्ध करवाने का सपना साकार हो रहा है। पहले जहां बुंदेलखंड और विंध्य जैसे क्षेत्रों में लोग जल 5 से 7 किलोमीटर दूर से अपने सर पर ढोकर लाते थे, आज यहां हर घर में शुद्ध जल उपलब्ध हो रहा है। सरकार आज इन इलाकों में आरओ का पानी पहुंचाने का काम कर रही है। अगर आप चाहते हैं कि हर घर जल की योजना सफलतापूर्वक लंबे समय तक चले तो इसके लिए सभी प्रदेशवासियों को आगे आना होगा और जल के महत्व को समझते हुए भूगर्भीय जल स्तर को बढ़ाना होगा क्योंकि हम अपनी जल की आवश्यकता को 80 से 90 फीसदी भूगर्भीय जल से पूरा करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में पूरे देश में हर जनपद और ब्लॉक स्तर पर अमृत सरोवर के माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में कदम आगे बढ़ाए हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर रहा है। नमामि गंगे परियोजना के पहले गंगा की स्थिति कितनी खराब हो चुकी थी, ये सभी जानते हैं। वहीं 9 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नमामि गंगे परियोजना के बाद आज इसमें व्यापक सुधार हुआ है, लेकिन अभी भी हमें इस दिशा में नये कदम उठाने होंगे क्योंकि ग्राउंड वाटर हो या सरफेस वाटर इसकी सुरक्षा करनी ही होगी।

संक्षिप्त डायरी

मुख्यमंत्री ने मेदांता हॉस्पिटल में वरियन एज रेडियो थेरेपी मशीन, नई कीमोथेरेपी इकाई तथा मेदांता ई-आई0सी0यू0 कमाण्ड सेण्टर का उद्घाटन किया

संवाददाता
लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा है कि बेहतर स्वास्थ्य और रोगियों के समुचित इलाज के लिए केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। आयुष्मान भारत योजना तथा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना इन योजनाओं में प्रमुख हैं। प्रदेश सरकार जरूरतमंद लोगों के लिए मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से प्रतिवर्ष 05 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध करा रही है। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना आज की आवश्यकता है। विशेषज्ञ चिकित्सों की लगातार उपलब्धता करायी जा रही है। मुख्यमंत्री जी आज यहां मेदांता हॉस्पिटल में वरियन एज रेडियो थेरेपी मशीन, नई कीमोथेरेपी इकाई तथा मेदांता ई-आई0सी0यू0 कमाण्ड सेण्टर का उद्घाटन करने के बाद इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश से कैंसर के मरीज बड़ी संख्या में मुम्बई, दिल्ली जाने के लिए मजबूर होते थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सफल प्रयासों से वाराणसी में टाटा कैंसर इंस्टीट्यूट की इकाई स्थापित हुई है। इस इकाई में विगत 03 वर्षों में 21 हजार से अधिक कैंसर मरीज आए, और मरीजों ने अपना सफलतापूर्वक उपचार कराया है। प्रदेश सहित समीपवर्ती राज्यों से बड़ी आबादी यहां इलाज के लिए आती है। इसके दृष्टिगत कुछ नये सेण्टर्स की आवश्यकता है। लखनऊ में राज्य सरकार का कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट संचालित है। आवश्यक है कि निजी क्षेत्र के हॉस्पिटल्स में भी इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हों। मेदांता समूह द्वारा इन उच्चस्तरीय चिकित्सा उपकरणों की स्थापना से लखनऊ तथा प्रदेशवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारा प्रयास होता है कि उपचार के अभाव में कोई व्यक्ति दम न तोड़ने पाए। दूर-दराज के क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तकनीक एक बेहतर माध्यम है। टेलीमेडिसिन द्वारा दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में बेहतरीन कार्य किया जा सकता है। समय के अनुरूप हमें टेली कन्सल्टेशन की सुविधा को आगे बढ़ाना होगा। दूर-दराज/ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत चिकित्सकों व टेक्नीशियन्स को प्रशिक्षण देकर टेलीकंसल्टेशन की सुविधा को बहुत आसानी से प्रारम्भ किया जा सकता है। मेदांता हॉस्पिटल ने 03 जनपदों-महराजगंज, प्रयागराज, अयोध्या में ई-आई0सी0यू0 प्रारम्भ किए हैं। टेलीकंसल्टेशन की सुविधा को अन्य क्षेत्रों में भी विस्तारित किये जाने पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इससे एक बड़ी आबादी लाभान्वित होगी। प्रदेश सरकार ने एस0जी0पी0जी0आई0, के0जी0एम0यू0, आर0एम0एल0एस0 की मदद से राज्य के सभी 75 जनपदों में कोरोना कालखण्ड के दौरान वर्चुअल आई0सी0यू0 की सुविधा स्थापित की थी। यह एक सफल प्रयोग था। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रदेशवासियों के अलावा अन्य राज्यों व देशों के लोग बड़ी संख्या में इलाज के लिए आते हैं। इसलिए यहां अच्छे हॉस्पिटल की आवश्यकता महसूस की गयी। मेदांता हॉस्पिटल ने लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है। प्रदेशवासियों के लिए केन्द्र व राज्य सरकार की स्वास्थ्य सुविधाओं को आगे बढ़ाने में मेदांता समूह ने आगे बढ़कर कार्य किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज की आवश्यकता के अनुरूप आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए यह हॉस्पिटल लोगों की सेवा के लिए समर्पित है। वेरियन एज रेडियो थेरेपी मशीन रेडिएशन के दुष्प्रभाव को न्यूनतम करने की दिशा में कार्य करती है। इस मशीन की सुविधा उत्तर भारत में अब तक न के बराबर थी। उन्होंने मेदांता हॉस्पिटल में नई कीमोथेरेपी इकाई के वॉर्ड का निरीक्षण भी किया। मेदांता समूह के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ0 नरेश त्रेहन वर्चुअल रूप से कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री ने उ0प्र0 लोक सेवा आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत विभिन्न विभागों के लिए चयनित अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये

● उ0प्र0 विगत 06 वर्षों में सतत प्रगति कर रहा, इसके लिए टीम यू0पी0 ने मेहनत की तथा जिम्मेदारी से कार्य किया : मुख्यमंत्री ● उ0प्र0 बीमारू राज्य की श्रेणी से ऊपर उठकर देश की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर ● विगत 06 वर्षों में प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर सामान्य जीवन-यापन कर रहे
● उ0प्र0 पहचान के संकट से उबरा है और विकास की प्रक्रिया के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा ● विभिन्न विभागों के लिए कुल 700 पदों के लिए अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया जा रहा, नियुक्ति की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद तथा भाई-भतीजावाद नहीं किया गया ● सभी अधिकारी सामान्य नागरिक के लिए जितना संवेदनशील बनेंगे, उतना ही उनके भविष्य के लिए अच्छा होगा ● उ0प्र0 में सभी जनपद तथा सभी गांव महत्वपूर्ण, आप सभी नवचयनित अधिकारी पूरे प्रदेश को अपना गांव व घर समझकर कार्य करना प्रारम्भ करें ● भ्रष्टाचार, जातिवाद तथा भेदभाव विकास के सबसे बड़े बाधक, सभी अधिकारी इन पर बड़ा प्रहार करने के लिए तैयार हों ● मिशन रोजगार पर तैयार की गयी एक लघु फिल्म का प्रदर्शन

संवाददाता
लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश विगत 06 वर्षों में सतत प्रगति कर रहा है। सभी नवचयनित अधिकारी इसका हिस्सा बन रहे हैं। इसके लिए टीम यू0पी0 ने मेहनत की तथा जिम्मेदारी से कार्य किया है। विगत 06 वर्षों में उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से ऊपर उठकर देश की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। विगत 06 वर्षों में उत्तर प्रदेश की जी0डी0पी0 तथा प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी हुई है। प्रदेश 01 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने की ओर अग्रसर है। नीति आयोग के आंकड़े बताते हैं कि विगत 06 वर्षों में उत्तर प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर सामान्य जीवन-यापन कर रहे हैं। यह सरकार, प्रशासन, प्रदेश के सभी कार्मिकों तथा आम जनमानस के संकल्प तथा सामूहिक प्रयास का परिणाम है। मुख्यमंत्री जी आज यहां लोक भवन में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत विभिन्न विभागों के लिए चयनित अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 22 नवचयनित अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। कार्यक्रम में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा मिशन रोजगार पर तैयार की गयी एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में कुछ नवचयनित अधिकारियों ने अपने विचार भी प्रस्तुत किये।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में मिशन रोजगार के अभिनव कार्यक्रम की श्रृंखला में आज उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के लिए नवचयनित अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया जा रहा है। लोक सेवा आयोग ने मात्र 10 महीने में नियुक्ति की इस पूरी प्रक्रिया को सम्पन्न कर निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं शुचिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। आज विभिन्न विभागों के लिए कुल 700 पदों के लिए अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 06 वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश के नौजवानों के सामने पहचान का संकट था। आज उत्तर प्रदेश पहचान के संकट से उबरा है और विकास की प्रक्रिया के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह शासन-प्रशासन तथा नागरिकों की सामूहिक ताकत का परिणाम है। आप सभी टीम यू0पी0 का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

इस प्रक्रिया का हिस्सा बनकर आप सभी अधिकारी कार्य करेंगे, तो आपकी पहचान हमेशा बनी रहेगी। इसे बनाये रखने के लिए निरन्तर प्रयास व परिश्रम करना होगा, तभी परिणाम आएंगे। आप सभी अधिकारियों को आम नागरिकों की शासन से अपेक्षा पूरी करने के वाहक के रूप में कार्य करना है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज सभी नवचयनित नये जीवन में प्रवेश कर रहे हैं। आज से पूर्व अधिकांश अभ्यर्थी अपने माता-पिता और अभिभावकों पर निर्भर रहते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। अब उन्हें प्रशिक्षण पूरा करके विभिन्न विभागों में दायित्वों का निर्वहन करने का अवसर प्राप्त होगा। आपके जीवन का एक नया युग प्रारम्भ होने जा रहा है। सभी

नवचयनित अधिकारियों के पास 30 से 35 वर्ष का समय अपनी योग्यता और क्षमता का उपयोग कर स्वयं को स्थापित करने तथा समाज के सामने प्रस्तुत करने का अवसर होगा। इसकी नींव अगले वर्षों में आपको तय करनी है। मेहनत तथा ईमानदारी से मजबूत नींव का निर्माण कर आप जीवन्तपर्यन्त आत्मिक संतुष्टि प्राप्त करेंगे। सामान्य नागरिकों से जुड़ी समस्याएं आपके विभागों में आएंगी। आपको अपने पद के अनुरूप व्यावहारिक जीवन का सामना करना है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यदि लोकतंत्र की भावना का सम्मान करते हुए सही तरीके से, सभी नवचयनित अधिकारी अहंकार मुक्त होकर कार्य करें, तो वे अच्छे अधिकारी के रूप में सामने आएंगे और सम्मान के हकदार बनेंगे। लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है। भारत का सामान्य नागरिक इस भाव के साथ जीवन-यापन करता है कि परम पिता परमेश्वर ही विश्व विजेता है। किसी को भी सर्वशक्तिमान होने का भ्रम नहीं पालना चाहिए। आप सभी अधिकारी सामान्य नागरिक के लिए जितना संवेदनशील बनेंगे, उतना ही आपके भविष्य के लिए अच्छा होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नियुक्ति की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद तथा भाई-भतीजावाद नहीं किया गया। विगत 06 वर्षों में प्रदेश के सभी चयन आयोगों और बोर्डों द्वारा प्रत्येक नियुक्ति प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता रखी गयी है। जो योग्य और सक्षम है, वह चयन की प्रक्रिया से जुड़ते हुए, नियुक्ति प्राप्त करेगा। आपको यह अधिकार दिलाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। साथ ही, नागरिकों के भी कुछ अधिकार हैं, जो उन्हें मिलने चाहिए। अपने अधिकारों के लिए नागरिकों को भटकना न पड़े, इसके लिए आप सभी अधिकारी अपने कार्यों में निष्कर्ष पर पहुंचें, तभी आप अपने को साबित कर पाएंगे। इसी से आपकी छवि निर्मित होगी। जहां भी अधिकारी अच्छा कार्य करते हैं, जनता के मन में उनके प्रति साफ-सुथरी छवि बनती है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सभी जनपद तथा सभी गांव महत्वपूर्ण हैं। आप सभी नवचयनित अधिकारी पूरे प्रदेश को अपना गांव व घर समझकर कार्य करना प्रारम्भ करें। आप सभी को प्रदेश की 25 करोड़ जनता के लिए कार्य करते हुए उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना है और अपने आपको साबित करना है। यदि आप यह करने में सफल होंगे, तो सभी में एक संतुष्टि का भाव होगा। इससे देश व दुनिया में सकारात्मक संदेश जाता है। सभी अधिकारियों के कार्य महत्वपूर्ण हैं। आज सामान्य नागरिक भी विकास की चर्चा करते हुए कुछ नया करने की बात करते हैं। यह उनका अधिकार है। उनके अधिकार की प्राप्ति में आप सभी नवचयनित अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके लिए आपको अपने स्तर पर सकारात्मक प्रयास करने होंगे। भ्रष्टाचार, जातिवाद तथा भेदभाव विकास के सबसे बड़े बाधक हैं। आप सभी अधिकारियों को इन पर बड़ा प्रहार करने के लिए तैयार होना होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज आयुष विभाग में चिकित्साधिकारी के पदों के लिए भी नियुक्ति पत्र दिये जा रहे हैं। देश ने आयुष के क्षेत्र में बहुत प्रगति की है। यह हेल्थ टूरिज्म के लिए नया अवसर उपलब्ध करा रहा है। प्रधानमंत्री जी ने आयुष तथा योग को नयी पहचान और वैश्विक मान्यता दिलायी है। अब आप सभी चिकित्साधिकारियों का दायित्व है कि आयुष विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों को और गति प्रदान करें। प्रदेश में हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर बनाये जा रहे हैं। इसमें सभी चिकित्साधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। आयुष तथा आयुर्वेद के क्षेत्र में चिकित्सकों के लिए अपार अवसर तथा सम्भावनाएं हैं। इसके लिए सभी को तैयार होना होगा। कार्यक्रम को वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना, नगर विकास मंत्री श्री ए0के0 शर्मा तथा आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर मिश्र ह्यदयालुह्ण ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में नव चयनित अधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी के निर्देशन में निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत समय से नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश में महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ है तथा उन्हें सुरक्षा प्राप्त हुई है। सभी नव चयनित अधिकारी अपने कर्तव्य का पालन कर्मठता, ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा से करेंगे। इस अवसर पर एम0एस0एम0ई0 मंत्री श्री राकेश सचान, राजस्व राज्य मंत्री श्री अनूप प्रधान ह्यवाल्मीकिह्ण, नगर विकास राज्य मंत्री श्री राकेश राठौर ह्यगुरुह्ण, खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री श्री सतीश चन्द्र शर्मा, मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, डी0जी0पी0 श्री विजय कुमार, राजस्व परिषद के अध्यक्ष श्री संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव नियुक्ति श्री देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव राजस्व श्री सुधीर गर्ग, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 श्री अमित मोहन प्रसाद, प्रमुख सचिव नियोजन श्री आलोक कुमार, प्रमुख सचिव आयुष श्रीमती लीना जौहरी, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना श्री संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव नगर विकास श्री अमृत अभिजात, सूचना निदेशक श्री शिशिर सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं नवचयनित अधिकारी उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 39 डिप्टी कलेक्टर (नियुक्ति विभाग), 93 पुलिस उपाधीक्षक (गृह विभाग), 07 जिला खाद्य विपणन अधिकारी/जिला पूर्ति अधिकारी (खाद्य एवं रसद विभाग), 12 कोषाधिकारी/लेखाधिकारी (वित्त विभाग), 10 अधिशासी अधिकारी श्रेणी-1/सहायक नगर आयुक्त/कर निर्धारण अधिकारी (नगर विकास विभाग), 44 नायब तहसीलदार (राजस्व विभाग), 422 चिकित्साधिकारी (आयुष विभाग), 53 प्राविधिक सहायक/खान अधिकारी/खान निरीक्षक (भू-तत्व एवं खनिकर्म निदेशालय), 05 व्यवस्थाधिकारी/व्यवस्थापक (राज्य सम्पत्ति विभाग) तथा 15 प्रबन्धक/विशेष कार्याधिकारी (खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड) के कुल 700 पदों के लिए नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मणिपुर की घटना ने पूरे देश की आत्मा को झकझोर दिया है : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। मणिपुर में दो बहनों की निर्वस्त्र हालत में वायरल हो रही एक वीडियो को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री पर सीधा हमला बोला है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मणिपुर की घटना ने पूरे देश के लोगों की आत्मा को झकझोर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अब सामने आकर अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी और मणिपुर में शांति बहाल करनी होगी। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो में साफ दिख रहा कि दो बहनों को निर्वस्त्र कर परेड कराई गई और उनके साथ सामूहिक रूप से गलत काम किए गए। ये वीडियो ढाई माह पुरानी है। फिर भी राज्य और केंद्र सरकार ने कोई कदम नहीं उठाए। अगर समय पर कदम उठाए गए होते तो हमारी बहनों के साथ अन्याय नहीं हुआ होता। मणिपुर में जबसे हालात बिगड़े हैं, प्रधानमंत्री अपने कमरे में चुपचाप बैठे हैं। यह एक कमजोर नेता की निशानी है, जबकि मजबूत नेता सामने से नेतृत्व करता है।

राघव चढ्ढा ने भी मणिपुर मामले में केन्द्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने मणिपुर में दो महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार के वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट कर कहा कि इस घटना ने मानवता को शर्मसार कर दिया है।' उन्होंने लिखा, एनडीए की बैठक में भाग लेने वाले 38 दलों में से कम से कम 10 दल स्वयं उत्तर पूर्व से थे या उनकी वहां मौजूदगी थी, लेकिन क्या उनमें से किसी ने प्रधानमंत्री से यह पूछने की

हिम्मत की कि मणिपुर क्यों जल रहा है। राघव चड्ढा ने कहा कि उत्तर-पूर्वी राज्य में हुई क्रूर हिंसा को दर्शाने वाली सामग्री हर दूसरे दिन सामने आ रही है। उन्होंने मणिपुर में गंभीर स्थिति को स्वीकार करने में विफल रहने के लिए भाजपा की आलोचना करते हुए पूछा कि क्या यही आपका न्यू इंडिया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या मणिपुर की मौजूदा स्थिति 21वीं सदी के भारत का प्रतिनिधित्व करती है।

मणिपुर में महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली' मणिपुर में दो महिलाओं से हुए दुर्व्यवहार के मुद्दे को लेकर महिला कांग्रेस व भारतीय युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों

ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के साथ हो रही वीभत्स घटनाओं के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। वहीं प्रदर्शन कर रहे युवा कांग्रेस के लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने कहा कि महिला अस्मिता की रक्षा के लिए उनका यह संघर्ष जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना की निंदा की है। उन्होंने सभी राज्य सरकारों से ऐसे मुद्दों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

बस चलाने में हुआ घाटा तो पहन ली पुलिस की नकली वर्दी और बना 'इंस्पेक्टर फर्जी'

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दिल्ली पुलिस के एक फर्जी सब इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों से अवैध वसूली करता था, जमीनों पर कब्जा करवाता था और इलाके में अपना दबदबा बनाकर रखता था। आरोपी पहले बस चलाता था। फिर, घाटा होने के बाद उसने फर्जी इंस्पेक्टर बनकर धोखाधड़ी का काम शुरू कर दिया। आरोपी की पहचान योगेश कुमार शर्मा (49) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से शामली जिले में कंडेला गांव का रहने वाला है।

केजरीवाल की घोषणा पर दिल्ली कैबिनेट की मुहर, बाढ़ पीड़ितों को दस हजार रुपये देगी आप सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हर परिवार को 10 हजार रुपये की सहायता राशि देने को मंजूरी दी है। यह निर्णय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा पीड़ितों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी स्थिति जानने के बाद लिया गया। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दिल्ली कैबिनेट ने बाढ़ से गंभीर रूप से प्रभावित लोगों को तत्काल आर्थिक सहायता देने के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है।इस प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए मुख्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों के प्रति चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सहायता राशि देने का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान कर बाढ़ के प्रभाव से उबरने में मदद करना है। यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रभावित परिवारों ने राहत शिविरों से वापस लौटना शुरू ही किया है और ऐसे समय पर उन्हें वित्तीय सहायता मिलेगी।

परिवार के मुखिया के खाते में ट्रांसफर होगी रकम

कैबिनेट फैसले के मुताबिक, बाढ़ से प्रभावित और वर्तमान में राहत शिविरों में रहने वाले परिवारों

को 10 हजार रुपये की सहायता राशि मिलेगी। सहायता राशि प्रत्येक लाभार्थी परिवार के मुखिया के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। यदि किसी लाभार्थी के पास बैंक खाता नहीं है तो जिला प्रशासन राहत राशि हस्तांतरित करने से पहले खाता खोलने के लिए शिविर लगाएगा।

सत्यापन प्रक्रिया, संबंधित जिला प्रशासन द्वारा की जाएगी। लाभार्थियों को प्रामाणिकता की पुष्टि करने के लिए मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, पानी का बिल, बिजली बिल, गैस कनेक्शन बिल, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, डाकघर पासबुक, संपत्ति दस्तावेज, ड्राइविंग लाइसेंस, जन्म प्रमाण पत्र, भारतीय पासपोर्ट आदि में से कोई जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे। बाढ़ग्रस्त इलाकों के यह दस्तावेज़ प्रस्तुत करने वालों को वास्तविक लाभार्थी माना जाएगा। जिला प्रशासन आगे के सत्यापन के लिए मतदाता सूची या बाढ़ क्षेत्र से संबंधित किसी अन्य आधिकारिक रिकॉर्ड की भी मदद ले सकता है। वहीं, सहायता राशि को मंजूरी देने का अधिकार विभाग प्रमुख के रूप में कार्य करने वाले जिला मजिस्ट्रेट के पास रहेंगे। अगर लाभार्थियों के बाढ़ के कारण दस्तावेज खो गए हैं और सत्यापन असंभव हो गया है तो जिला प्रशासन एक क्षेत्रीय स्तर पर जांच करेगा। इसके बाद मामलों को आगे की समीक्षा और सहायता राशि के भुगतान पर निर्णय के लिए राजस्व मंत्री को सौंपेगा।

बाढ़ से प्रभावित ऐसे परिवार जो जलमग्न क्षेत्रों में हैं, लेकिन राहत शिविरों में नहीं हैं, उनको भी सहायता राशि देने पर विचार किया जाएगा। बाढ़ के कारण कृषि में नुकसान का सामना करने वाले किसान भी समान नियमों के तहत सहायता राशि प्राप्त करने के हकदार होंगे।

प्रतिशोध की भावना से काम करने वाले आईटीबीपी के अधिकारियों को हाईकोर्ट की चेतावनी, कहा- कोई भी कानून से ऊपर नहीं

नई दिल्ली।भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के एक सहायक कमांडेंट को राहत देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने पूर्वाग्रह व प्रतिशोध की भावना से आदेश देने वाले वरिष्ठ अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने कहा कि किसी भी कनिष्ठ के खिलाफ निष्कर्ष निकालने एवं कार्रवाई करने से पहले यह ध्यान में रखना होगा कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

अदालत ने कहा कि यदि ऐसे आदेशों को अदालत के समक्ष चुनौती दी जाती है तो दोषी पाए जाने वाले अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने से अदालत कोई संकोच नहीं करेगी। अदालत ने उक्त टिप्पणी करते हुए एक सहायक कमांडेंट की याचिका को स्वीकार कर लिया और उससे जुड़े 19 जून 2014 से आठ नवंबर 2014 के बीच की कमांडेंट की वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर) को रद्द कर दिया। साथ ही आईटीबीपी

को सहायक कमांडेंट की एपीएआर की फिर से समीक्षा करने का निर्देश दिया।

फैसले की प्रति पुलिस महानिदेशक को भेजी जाए- कोर्ट

अदालत ने कहा कि अगर याचिकाकर्ता पदोन्नति के लिए योग्य है तो उसे सभी परिणामी लाभ देते हुए प्रोन्नत किया जाए। अदालत ने कहा कि फैसले की एक प्रति सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिसबलों के पुलिस महानिदेशक को सूचना और सलाह के लिए भेजी जाए। सहायक कमांडेंट ने याचिका में कहा था कि उनका उत्कृष्ट करियर होने के बावजूद कमांडेंट ने उनके करियर प्रोफाइल को कम करते हुए उनके रिकॉर्ड को शून्य कर दिया। यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2015 में कमांडेंट के खिलाफ महानिदेशक से शिकायत करने से वह नाराज हो गए थे और उनके साथ शत्रुतापूर्वक रवैया रखते हुए उसकी एपीएआर को खराब कर दिया।

इस पर अदालत ने कहा कि एक वरिष्ठ अधिकारी से नेतृत्व का प्रदर्शन करने की अपेक्षा की जाती है। उन्हें अधीनस्थ अधिकारियों के लिए एक मार्गदर्शक और संरक्षक होना चाहिए। कमांडेंट के आचरण से याचिकाकर्ता के प्रति प्रतिशोध झलकता है।

अदालत ने यह भी कहा कि बल के सदस्य अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों में अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते हैं। ऐसे में इस तरह की व्यक्तिगत दुश्मनी न केवल एक सक्षम अधिकारी के लिए मनोबल गिराने वाली है, बल्कि पूरे बल के लिए खतरनाक है।

बारिश की बूंद-बूंद से भरा पूसा का अमृत सरोवर, चार करोड़ लीटर पानी हुआ एकत्र

नई दिल्ली। गौतम कुमार मिश्रा, पश्चिमी दिल्लीः पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान परिसर में इसी वर्ष बनकर तैयार अमृत सरोवर पानी से भर चुका है। इस मानसून में हुई वर्षा की बूंदों को संचित कर तालाब में अभी तक करीब चार करोड़ लीटर पानी एकत्र हो चुका है। अभी इसमें एक करोड़ लीटर पानी के संचय की क्षमता शेष है। उम्मीद है कि पूरे मानसून में शेष बचा एक करोड़ लीटर पानी भी इसमें जमा हो जाएगा। संस्थान के अधिकारी अमृत सरोवर के निर्माण से काफी खुश हैं। पहली बार अमृत सरोवर के निर्माण को मिली सफलता को देखते हुए आगामी वर्षों में परिसर में और सरोवर के निर्माण की संभावना तलाशी जा रही है। पूसा संस्थान करीब 1200 एकड़ में फैला है। इसमें अधिकांश हिस्से में खेत हैं जहां विभिन्न फसलों की खेती शोध के उद्देश्य से की जाती है। इतने बड़े क्षेत्रफल में अभी तक वर्षा का जो पानी एकत्र होता था, उसका काफी हिस्सा बहकर नजफगढ़ नाले में चला जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। संस्थान ने 1200 एकड़ के कमांड क्षेत्र का बेसिन बनाया और यहां से नालों के माध्यम से वर्षा जल को यहां सरोवर में लाया गया।सरोवर करीब ढाई एकड़ में बना है। संस्थान के फार्म क्षेत्र में बने इस सरोवर की कुल जल धारण क्षमता करीब 50 हजार क्यूबिक मीटर यानि पांच करोड़ लीटर पानी की है।

कुतुब मीनार में प्रार्थना से रोकने के खिलाफ याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई, कोर्ट ने कहा- नीति स्पष्ट करे एएसआई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने संरक्षित स्मारकों के अंदर भक्तों को प्रार्थना करने की अनुमति देने के मामले पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को अपनी नीति स्पष्ट करने को कहा।

कुतुब परिसर का हिस्सा मुगल मस्जिद के अंदर भक्तों द्वारा प्रार्थना करने से रोकने के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने एएसआई को उक्त निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान एएसआई के वकील ने कहा कि मेरी समझ के अनुसार, संरक्षित स्मारकों में प्रार्थना की अनुमति देने का कोई सवाल ही नहीं है।

एएसआई ने कहा कि मौजूदा मामले में मुगल मस्जिद को संरक्षित स्मारक घोषित किए जाने के बाद से इसके अंदर कभी कोई प्रार्थना नहीं की गई। इस पर पीठ ने एएसआई से स्थिति स्पष्ट करने को कहा। अदालत ने कहा कि हम एएसआई से इस बात पर कायम रहेंगे कि पूरे देश में सभी संरक्षित स्मारकों में किसी भी धर्म द्वारा पूजा की अनुमति नहीं है। विभिन्न धर्मों के लिए अलग-अलग स्मारकों के लिए अलग-अलग नियम नहीं हो सकते हैं, जब तक कि इसे कानून द्वारा समर्थित न किया जाए। दिल्ली वक्फ बोर्ड द्वारा नियुक्त की गई मस्जिद की प्रबंध समिति ने वर्ष 2022 में याचिका दायर कर कहा था कि एएसआई अधिकारियों ने 13 मई 2022 को मस्जिद में नमाज अदा करना पूरी तरह से रोक दिया था। समिति ने उक्त निर्णय को गैरकानूनी व मनमाना बताया था।

बिना नोटिस के एएसआई ने लिया फैसला- अधिवक्ता

समिति की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता एम सुफियान सिद्दीकी ने कहा कि वर्ष 2022 तक मस्जिद के अंदर नियमित रूप से नमाज अदा की जाती थी, लेकिन एएसआई ने बिना किसी नोटिस के इस प्रथा को बंद कर दिया। वहीं, दिल्ली वक्फ बोर्ड के वकील ने कहा कि प्राचीन स्थलों से संबंधित कानून के अनुसार प्राचीन स्मारक होने के आधार पर अधिकारियों द्वारा किसी धार्मिक स्थान पर कब्जा करने के बाद उसमें नमाज अदा करना बंद नहीं किया जा सकता है।

इस पर अदालत ने एएसआई को वर्ष 1914 में मस्जिद को संरक्षित स्मारक घोषित करने वाली अधिसूचना जारी करने के संबंध में उपलब्ध रिकॉर्ड पेश करने को कहा। साथ ही मौखिक रूप यह भी कहा कि यदि कोई कानून किसी संरक्षित स्मारक में प्रार्थना जारी रखने का प्रविधान करता है, तो इसे जारी रखना होगा। ऐसे में इसकी जांच की जानी चाहिए कि क्या मुगल मस्जिद संरक्षित क्षेत्र का हिस्सा थी और क्या वहां नमाज पढ़ने पर रोक लगाई जा सकती है। सुनवाई के दौरान, एएसआई के वकील ने यह भी कहा कि मुगल मस्जिद कुवत्तुल इस्लाम मस्जिद से अलग थी, जो साकेत कोर्ट के समक्ष एक लंबित मामला है।

दिल्ली के गरीब परिवारों को मुफ्त में शक्कर देगी आप सरकार, केजरीवाल की कैबिनेट ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली। आप सरकार दिल्ली के गरीब परिवारों को मुफ्त शक्कर देगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली कैबिनेट ने दिल्लीवासियों को मुफ्त शक्कर उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार के इस महत्वपूर्ण कदम का उद्देश्य गरीब परिवारों के सामने आने वाली कठिनाइयों को कम करना है और सभी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है।वर्तमान आर्थिक हालात और महंगाई से पैदा हुई चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने यह सुनिश्चित करने के

उपाय किए थे कि किसी को भी खाद्य असुरक्षा का सामना न करना पड़े।

इस योजना के तहत मिलेगी मुफ्त शक्कर- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत सभी एनएफएसए लाभार्थियों को मिलने वाले गेहूं, चावल के अलावा दिल्ली सरकार ने मुफ्त शक्कर देने का निर्णय लिया है। दिल्ली सरकार अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) के लाभार्थियों को शक्कर सब्सिडी योजना के तहत मुफ्त शक्कर उपलब्ध कराएगी। अंत्योदय अन्न योजना श्रेणी के कार्डधारकों को शक्कर सब्सिडी योजना के तहत शक्कर के मुफ्त वितरण का प्रस्ताव कैबिनेट के समक्ष लाया गया, जिसे मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मंजूरी दे दी गई है। सरकार के इस निर्णय से 68,747 राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्डधारकों सहित लगभग 2,80,290 लाभार्थियों को लाभ मिलेगा। इस पहल के क्रियान्वयन के लिए लगभग 1.11 करोड़ रुपए के अनुमानित बजट की आवश्यकता होगी।

अब आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों की मजबूत होगी नींव

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों के लिए ईसीसीई किट (खेल पिटारा) लांच किया। इस खेल पिटारा किट में खेल सामग्री, खिलौने और साक्षरता संबंधी संसाधनों को शामिल किया गया है। इसमें मैनुअल की सुविधा भी है, जो प्रत्येक सामग्री के इस्तेमाल को लेकर विस्तार से मार्गदर्शन करेगा। त्यागराज स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ज्यादातर गरीब लोग अर्ली चाइल्डहुड शिक्षा के लिए अपने बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों में भेजते हैं, जबकि अमीर लोग क्रेच में भेजते हैं।

हम इन दोनों के बीच के अंतर को खत्म करना चाहते हैं। हम आंगनवाड़ी में बच्चों को वैसा ही वातावरण देना चाहते हैं, जैसा प्राइवेट क्रेच में मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों के अध्यापक की तरह ही आंगनवाड़ी वर्कर्स को भी हम बड़े-बड़े संस्थानों में भेजकर ट्रेनिंग दिलवाएंगे और सबको नॉन टीचिंग कार्य से मुक्ति दिलाएंगे, ताकि वे बच्चों पर अधिक फोकस कर सकें। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री आतिशी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आंगनवाड़ी वर्कर्स की भूमिका एक मां की तरह होती है

आगे मुख्यमंत्री ने कहा कि एमसीडी के पांचवीं तक के

स्कूलों में पहली कक्षा में दाखिला लेने वाले बच्चों को तैयार करने की जिम्मेदारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की है। कहा जाता है कि कई बार बच्चे को जन्म देने वाली मां अलग होती है और उसे पालने वाली मां अलग होती है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका भी एक मां की तरह ही है।

एक तीन साल का बच्चा आंगनवाड़ी केंद्रों में कई घंटे बिताता है। इन बच्चों के मां-बाप बहुत ही गरीब पृष्ठभूमि से आते हैं। गरीबी की वजह से उनके घर में बहुत तनाव रहता है। परिवार में झगड़े हैं, पड़ोसियों से झगड़े हैं। इसकी वजह से वो बच्चा भी बहुत तनाव में रहता है। लेकिन जब उस बच्चे को आंगनवाड़ी केंद्र में बहुत अच्छा माहौल मिलने लगे तो उसका बचपन और अच्छा बन सकता है।

इस अवसर पर दिल्ली की महिला एवं बाल विकास मंत्री और शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि यह खेल पिटारा दुनिया भर में वर्ल्ड क्लास अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन की मिसाल बनेगा। हम अक्सर बच्चों के लिए महंगे खिलौने व किताबे खरीदते हैं, लेकिन उससे कई गुणा बेहतर गेम्स, टॉयज, पजल और किताबें अब हमारे 11 हजार आंगनवाड़ी केंद्रों में मौजूद होगी और लाखों बच्चे उसका फ़ायदा उठा सकेंगे और उससे सीख सकेंगे। जिस उम्र में बच्चा आंगनवाड़ी में आता है, वो उसके विकास के सबसे महत्वपूर्ण साल होते हैं। रिसर्च हमें यह बताती है कि बच्चों के ब्रेन का विकास 6 साल के उम्र तक होता है। इसलिए जो बच्चे हमारी आंगनवाड़ी में आ रहे हैं, वो आगे जाकर इंजीनियर, वैज्ञानिक, लेखक, वकील बनेंगे, यह तय करना आंगनवाड़ी वर्कर्स के हाथ में है। दिल्ली सरकार से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में 3 से 6 आयु वर्ग के लगभग 1.7 लाख बच्चे 11 हजार आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रारंभिक चाइल्ड केयर और शिक्षा (ईसीसीई) प्राप्त कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी ईसीसीई को आजीवन सीखने की नींव के तौर पर मान्यता दी है। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को छोटे बच्चों और उनकी माताओं के टीकाकरण से लेकर पल्स पोलियो, पूरक पोषण वितरित करने से लेकर विभिन्न प्रकार के सर्वेक्षण करने तक 21 जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होता है। उल्लेखनीय है कि 11 हजार अंगवंडियों में से अब तक करीब 7500 को मुख्यमंत्री के पत्र के साथ किट मिल चुकी है, जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से बच्चों की सीखने की मजबूत नींव रखने की अपील की गई है। इस शैक्षिक किट के प्रभावी उपयोग के लिए पर्यवेक्षकों, सामुदायिक विकास परियोजना अधिकारियों (सीडीपीओ), कुछ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सहित लगभग दो हजार मेटर प्रशिक्षकों को एससीईआरटी द्वारा प्रशिक्षित किया गया है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओ के हेल्थ चेकअप के लिए 8 टीमों का गठन- गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली में बाढ़ का पानी उतरने के बाद आज पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पशुओं के हेल्थ चेकअप के निर्देश जारी किए हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के मेडिकल हेल्थ चेक अप के लिए 8 टीमों का गठन किया गया है। साथ ही विभाग द्वारा पशुओं के पुनर्वास, उनके लिए उपयुक्त दवाई और टीका कराने का निर्देश दिया गया है। पशुओं के देखभाल के लिए पुनर्वास शिविरों के लिए रोटेशन के आधार पर 2 मोबाइल वैन उपलब्ध कराइ गई है। राहत शिविर में नियमित रूप से पर्याप्त पशु चारा भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है।

गोपाल राय ने बताया की पिछले कई दिन से दिल्ली में बारिश नहीं हो रही है और यमुना नदी का जल स्तर भी धीरे-धीरे कम हो रहा है। लोग अभी भी अब अपने पशु और सामान लेकर राहत शिविर में है, लेकिन जगह-जगह रुके हुए पानी में बीमारियां पैदा होने की आशंका बढ़ गई है। ठहरे हुए पानी में मच्छर पनप रहे हैं। पशुओं में भी संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ गई है। इसी के चलते आज पशुपालन विभाग को सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो में फसे पशुओ के पुनर्वास, उनके लिए दवाई और टीका की

व्यवस्था के निर्देश दिए गए है।

साथ ही राहत शिविर में नियमित रूप से पर्याप्त पशु चारा भी उपलब्ध कराने और मेडिकल टीम को बाढ़ राहत शिविर में मवेशियों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने का भी निर्देश दिया गया है। उन्होंने आगे बताया की आपदा प्रभावित लोगो के लिए सरकार के रूप में हमारी जिम्मेदारी है की इससे प्रभावित होने वाले लोगों की मदद करें। लेकिन इसी बीच बाढ़ से प्रभावित मवेशियों का ध्यान रखना भी सरकार की ही ज़िम्मेदारी है। बाढ़ के बाद बीमारियां न फैलें, इसके लिए पशुपालन विभाग को त्वरित कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। बाढ़ग्रस्त इलाकों पर विशेष नजर रखी जा रही है। साथ ही पशुओं को संक्रामक रोगों से बचाने के लिए पशुपालन विभाग द्वारा पशुओ के हेल्थ चेक अप के लिए 8 टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें पशुओ के हेल्थ चेक अप के साथ साथ पशुपालकों को बरसात के मौसम में होने वाली अन्य बीमारियों से बचाव के सुझाव देंगे। साथ ही विभाग द्वारा पशुओ के इलाज के लिए रोटेशन के आधार पर 2 मोबाइल वैन उपलब्ध कराइ गई है। पशुपालन विभाग को सभी राहत शिविरों के आस-पास विशेष निगरानी करने के निर्देश दिया गया है ताकि ज़रूरत पड़ने पर मवेशियों को उचित मेडिकल सुविधाएँ उपलब्ध कराइ जा सके।

नोएडा व ग्रेटर नोएडा में सड़क हादसा, महिला समेत 5 की मौत

नोएडा। नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर हुए सड़क हादसों में महिला समेत 5 लोगों की मौत हो गई है। वहीं थाना सूरजपुर क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई।

पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के के गिझोड़ गांव के पास लाल बत्ती पर हुए एक सड़क हादसे में डिलीवरी बॉय के रूप में काम करने वाले विश्वास पुत्र स्वर्गीय शिवलाल उम्र 52 वर्ष की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में उनके बेटे अमन भारतीय ने थाना सेक्टर-24 में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़ित का आरोप है कि उसके पिता को एक कार चालक ने टक्कर मार दिया, जिससे उनकी मौत हुई है। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर-126 क्षेत्र में हुए एक अन्य सड़क हादसे में जगदंबा प्रसाद उम्र 43 वर्ष की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि थाना सूरजपुर क्षेत्र में प्रेमपाल सिंह नामक व्यक्ति का शव मिला है। पुलिस मौत के कारणों का पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम करवा रही है।

प्रभारी मंत्री ने की बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात, परखीं सुविधाएं, अफसरों को दी हिदायत

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के प्रभारी मंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री बृजेश सिंह ने मंगलवार को जिले के बाढ़ प्रभावित गांवों और राहत केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों को मिलने वाली सुविधाओं की जांच की और बाढ़ राहत केंद्रों में प्रवास कर रहे लोगों से सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अफसरों को बाढ़ प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने नोएडा के सेक्टर 135 में बनाई गई अस्थाई गौशाला का भी निरीक्षण किया। वहां रेस्क्यू कर गोवंश को रखा गया है। उन्होंने गोशाला की व्यवस्था पर संतोष जाहिर किया। बृजेश सिंह ने सेक्टर 135 के नगली वाजीदपुर एवं तहसील

जेवर के फलैंदा में बनाए गए बाढ़ राहत केंद्रों में राहत चौपाल की अध्यक्षता करते हुए कहा कि इस प्राकृतिक आपदा में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से रेस्क्यू अभियान चलाकर प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं और सभी को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अभी यमुना का जलस्तर कम हो रहा है, लेकिन अगले 72 घंटों में वर्षा के कारण दोबारा से यमुना एवं हिंडन नदी के जलस्तर में वृद्धि हो सकती है। इसीलिए सभी अधिकारी अलर्ट मोड पर रहें। निरीक्षण के दौरान सांसद डॉ. महेश शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर, जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बिल्डर और फ्लैट खरीदारों की समस्या

ग्रेटर नोएडा। बिल्डरों की संस्था क्रेडाई ने अपनी और फ्लैट खरीदारों की समस्याओं को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ से मुलाकात की। उन्होंने बिल्डरों के सामने आ रही समस्याओं को रखा और उनके समाधान की मांग की। कहा कि अगर समस्याओं का समाधान हो गया तो खरीदारों को फ्लैट जल्दी मिल जाएंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी ने कामकाज शुरू कर दिया है। मंगलवार को बिल्डरों के संस्था क्रेडाई के पदाधिकारियों ने सीईओ से मुलाकात की। इसमें क्रेडाई के चेयरमैन मनोज गौड़, एटीएस के गीतांबर आनंद और अन्य पदाधिकारी शामिल थे। मनोज गौड़ ने अधूरे पड़े प्रोजेक्ट को पूरा करने में बिल्डरों के सामने आ रही समस्याओं को रखा। उन्होंने कहा कि कहीं पर किसानों के चलते प्रोजेक्ट अटके हैं तो कहीं पर ओसी-सीसी के चलते खरीदारों को कब्जा नहीं मिल पा रहा। अगर इन समस्याओं का समाधान हो जाए तो खरीदारों को समय पर फ्लैट मिल सकते हैं। मनोज गौर ने कहा कि सीईओ ने बिल्डरों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उनके समाधान का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि इन सब मुद्दों को लेकर वह संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे हैं। जल्द ही इनका हल निकाला जाएगा। ग्रेटर नोएडा में फ्लैट खरीदार अपने घर का इंतजार कर रहे हैं। कुछ खरीदारों को कब्जा नहीं मिल पाया है तो कुछ खरीदार ऐसे हैं जो अपने फ्लैट में रह रहे हैं। लेकिन, मालिकाना हक नहीं मिला है। उनकी रजिस्ट्री अभी तक नहीं हो पाई है। यह मुद्दा सबसे बड़ी चुनौती है।

निवेश पर मुनाफा देने का झांसा देकर 2.47 लाख ठगे

नोएडा। साइबर अपराधी ने निवेश पर चार गुना मुनाफा कमाने का लालच देकर युवती से दो लाख 47 हजार रुपये ऐंठ लिए। जब युवती पर और रकम निवेश करने का दबाव बनाया जाने लगा तो उसे ठगी की आशंका हुई। पीड़िता की शिकायत पर सेक्टर-58 पुलिस मामले की जांच कर रही है। रसूलपुर नवादा गांव की मौसमी कुमारी ने पुलिस को शिकायत दी है कि कुछ दिन पहले साइबर अपराधी ने उनसे संपर्क किया तथा पार्ट टाइम जॉब करने का झांसा दिया। उसने शुरूआती दौर में उन्हें कुछ लाभ दिया, जिससे

उन्हें भरोसा हो गया। इसके बाद निवेश के नाम पर उसने उनसे खाते में दो लाख 47 हजार रुपये डलवा लिए। इससे पहले उसने उनको एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा था, जिसमें ठग गिरोह के ही सदस्य थे। संबंधित सदस्य ग्राहक बनकर ग्रुप पर निवेश कर भारी मुनाफा कमाने का स्क्रीनशॉट साझा कर रहे थे ताकि युवती को झांसे में लेकर निवेश कराया जा सके। निवेश की रकम वापस मांगने पर जालसाज ने युवती का नंबर ब्लॉक कर दिया और उसे टेलीग्राम ग्रुप से भी बाहर कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। नाइजीरियन गिरोह द्वारा ठगी करने की आशंका जताई जा रही है।

सिगरेट के पैसे मांगने पर दुकानदार का सिर फोड़ा

नोएडा। चार युवकों ने सिगरेट और शीतलपेय के पैसे मांगने पर दुकानदार का सिर लोहे के सरिया से वार करके फोड़ दिया। दुकान के पास मौजूद अन्य ग्राहकों ने दुकानदार को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। घायल दुकानदार के भाई की शिकायत पर फेज-2 पुलिस ने चार अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-87 के सौरव कुमार ने बताया कि 16 जुलाई को शाम साढ़े पांच बजे के करीब उसके भाई अनुज और अनिरुद्ध बस स्टैंड के पास स्थित अपनी दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान दो बाइक पर चार युवक आए और शीतल पेय और सिगरेट ली। सिगरेट और शीतल पेय के पैसे मांगने पर युवकों ने दोनों के साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। इसी दौरान युवकों ने लोहे के सरिया से अनिरुद्ध के सिर पर वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद चारों युवक वहां से भाग गए। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

नोएडा में पुलिस की कस्टडी से फरार तस्कर, लापरवाही बरतने पर दो पुलिसकर्मी सस्पेंड

नोएडा। नोएडा पुलिस ने एक गांजा तस्कर गांव गिझोड़ से गिरफ्तार किया था। इसके बाद गांजा तस्कर जिला अस्पताल से पुलिस की कस्टडी फरार हो गया। इस मामले में लापरवाही बरतने वाले दो पुलिसकर्मियों को गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नर की ओर से सस्पेंड किया गया है। पुलिस की 4 टीम आरोपी को पकड़ने के लिए गठित की गई है। यह मामला कोतवाली 24 का है। इसकी जानकारी एडीसीपी शक्ति अवस्थी ने दी है। आपको बता दें, इससे पहले भी नोएडा पुलिस कस्टडी से आरोपी फरार हुए हैं। दरअसल, नोएडा पुलिस ने लक्की नाम के एक तस्कर को गांव गिझोड़ से गिरफ्तार किया। इसके पास से पुलिस ने 1 किलो गांजा बरामद किए। इसके बाद पुलिस उसे थाने ले आई। पुलिस गांजा तस्कर को जेल भेजने की तैयारी में लग गई। पुलिस के दो जवान और एक होमगार्ड आरोपी को दोपहर करीब दो बजे जिला अस्पताल मेडिकल करवाने के लिए पहुंचे। इस दौरान मौके का

फायदा उठाकर गांजा तस्कर जिला अस्पताल से फरार हो गया। इस घटना के बाद कोतवाली 24 पुलिस में हड़कंप मच गया। सूचना के बाद मौके पर आला अफसर पहुंचे और टीम गठित कर आरोपी की तलाश में जुट गए। पुलिस की विशेष टीम कर रही आरोपी की तलाश इससे पहले भी पुलिस हिरासत से आरोपियों के फरार होने की घटनाओं से विभाग की काफी किरकिरी हो चुकी है। यही कारण है कि विभाग के बड़े अफसर कोई भी ढिलाई बरतने के मूड में नहीं हैं। इसलिए लापरवाही बरतने पर सुनील और सागर पुलिस कर्मी को सस्पेंड किया गया है। वहीं होमगार्ड सुभाष की शिकायत लखनऊ भेजी जा रही है। दूसरी तरफ पुलिस की एक विशेष टीम अब अस्पताल के साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में लगी हुई है। पुलिस का दावा है कि जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर दिया जाएगा।

ग्रेनो वेस्ट की सोसाइटी में बिल्डर ने अवैध निर्माण किया, प्राधिकरण ने भेजा नोटिस

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की गौर सिटी दो वाइट आर्किड सोसाइटी में बिल्डर ने अवैध निर्माण कर 132 परिवारों के लिए खतरा पैदा कर दिया। प्राधिकरण ने बिल्डर को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। निवासियों का आरोप है कि यह स्थिति बेहद गंभीर है और इसपर तत्काल ध्यान देने और संगठित कार्रवाई की आवश्यकता है ताकि एक संभावित आपदा को रोका जा सके। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुताबिक एक निवासी की शिकायत

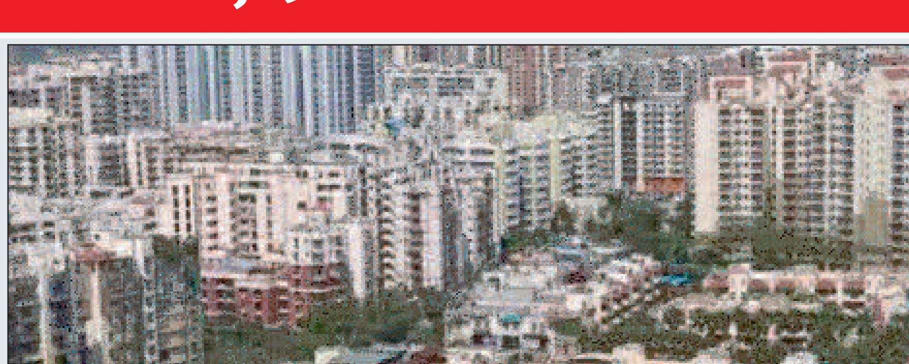

पर सोसाइटी में अवैध निर्माण की जांच करवाई गई थी। प्राधिकरण द्वारा की गई जांच मे पता चला कि बिल्डर ने कमर्शियल मार्केट की दुकान नंबर 7 से अंदर ही अंदर लेंटर को काटकर टॉवर दो के रेजिडेंशियल फ्लैट नंबर 101 और 102 में जाने के लिए लोहे की सीढ़ी लगाकर अवैध रास्ते का निर्माण कर दिया। इसके अलावा ग्रीन एरिया को कवर करवाकर अवैध दो दुकानों का निर्माण किया गया है। प्राधिकरण द्वारा जांच के दौरान इन दोनों रेजिडेंशियल फ्लैट में वाणिज्यिक गतिविधियां पाई गई हैं। इन सबके अलावा नक्शे के विरुद्ध सोसाइटी के अंदर प्रवेश करने का एक और अतिरिक्त अवैध रास्ते का निर्माण किया गया है। इस तरह इमारती ढांचे में अनधिकृत परिवर्तन कानून का स्पष्ट उल्लंघन है और इससे उन सभी के जीवन को खतरे में डाला जा रहा है, जो उसके आस-पास निवास कर रहे हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बिल्डर को इन सभी अवैध निर्माण तथा अवैध गतिविधियों पर स्पष्टीकरण मांगते हुए एक नोटिस भेजा है। इस नोटिस का पालन न करने पर बिल्डर के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

वाहन की टक्कर से मासूम की मौत

नोएडा । निठारी ब्लड बैंक के पास वाहन ने टक्कर ने नौ साल के मासूम को टक्कर मार दी। राहगीरों की मदद से पुलिस ने बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। निठारी के जहरुद्दीन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका छोटा बेटा समजानी रविवार सुबह दूध लेने के लिए पास वाले किराने की दुकान पर गया था। जब वह लौट रहा था तभी ब्लड बैंक के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारकर बच्चे को घायल कर दिया। समजानी तीन भाइयों में सबसे छोटा था और दूसरी कक्षा में पढ़ता था। जिस समय हादसा हुआ बच्चे के माता-पिता कूड़ा बीनने गए थे। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है ताकि संबंधित वाहन और चालक की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा सके। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

नोएडा में युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के कासना थाना क्षेत्र के कासना गांव में किराये के मकान में रहने वाले 25 वर्षीय एक युवक ने मानसिक तनाव के चलते 12 जुलाई को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, युवक को गंभीर हालत में जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान सोमवार रात उसकी मौत हो गई। कासना थाने के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि सीतापुर का मूल निवासी संजय कुमार लंबे समय से अवसाद से ग्रस्त था और उसने 12 जुलाई को जहरीला पदार्थ खा लिया। शुक्ला के मुताबिक, संजय को बेहद गंभीर हालत में ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान सोमवार रात उसने दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

वाहन चोर गिरोह का सरगना दबोचा

नोएडा । सेक्टर-24 पुलिस ने मंगलवार को सेक्टर-12/22/56 टी प्वाइंट के पास से वाहन चोर गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी के सात दोपहिया वाहन, दो फर्जी नंबर प्लेट और चाकू बरामद हुए हैं। इसमें पांच बाइक और दो स्कूटी शामिल हैं। आरोपी रेकी करने के बाद सुनसान जगहों और बाजारों से वाहन उड़ाता था। आरोपी की पहचान गाजियाबाद के खोड़ा कॉलोनी के राहुल उर्फ लेफ्टी के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक व्यक्ति ने दस जुलाई को सेक्टर-12 के जेड ब्लॉक से बाइक चोरी होने की सूचना दी थी। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद बाइक चोरी करते आरोपी की तस्वीर मिली। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की गई। फुटेज और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों के दौरान आरोपी की पहचान की गई। मंगलवार को जब वह चोरी की फिराक में नोएडा आया तो पुलिस ने उसे चेकिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में राहुल ने बताया कि वह अपने साथी जीतन के साथ मिलकर एनसीआर में रेकी कर वाहनों की चोरी करता है। राहुल के साथी जीतन की तलाश जारी है। बरामद बाइक और स्कूटी को आरोपी ने नोएडा के अलग-अलग थाना क्षेत्र से चोरी किया था। चोरी का विरोध करने पर लोगों को डराने के लिए आरोपी अपने पास चाकू रखता था।

बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ समझौता

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और नेक्स्ट जेन लाइफ साइंसेज कंपनी (एनजीएलएस) के साथ मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना और समाज के लाभ के लिए अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है।

जेल में प्रोजेक्ट साकार का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। जिला कारागार में निरूद्ध बंदियों के गुण एवं व्यक्तित्व सुधार हेतु जीएल बजाज कॉलेज द्वारा इंण्डिया विजन फाउडेशन के सहयोग से प्रोजेक्ट साकार का आयोजन किया गया। जिला कारागार के कौशल विकास केन्द्र में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत जीएल बजाज की टीम ने खाना बनाना एवं वाहन धुलाई का प्रशिक्षण दिया।

एडीसी ने मास्टर ट्रेनरों द्वारा करवाई जा रही शिक्षण गतिविधियों को जांचा

करनाल । जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शाहपुर में निपुण हरियाणा कार्यक्रम के तहत प्राथमिक शिक्षकों के लिए एफएलएन छह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जो अध्यापक ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान किन्ही वजहों से प्रशिक्षण नहीं ले पाए। उनके लिए यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। अतिरिक्त उपायुक्त डा. वैशाली शर्मा ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में मास्टर ट्रेनरों द्वारा करवाई जा रही शिक्षण गतिविधियों को जांचा। अध्यापकों से सवाल पूछे। जिला संपर्क फाउंडेशन कोर्डिनेटर पूजा, जिला एलएलएफ मार्गरेट ने बताया कि विभाग द्वारा तीन से नौ साल तक के प्रत्येक बच्चे को आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान में निपुण बनाना है। इसी उद्देश्य के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। गणित मास्टर ट्रेनर रीना द्वारा गणित क्विज करवाया गया। गणित विषय की संपर्क किट के प्रयोग के बारे में विस्तार से बताया। कक्षावार दक्षताओं की जानकारी तथा तथा बच्चों का किस प्रकार साप्ताहिक, मासिक व वार्षिक आंकलन किया जाना है इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त डा. वैशाली शर्मा, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की प्रिंसिपल विद्योत्मा, संपर्क कोर्डिनेटर पूजा, जिला एलएलएफ मार्गरेट, सुमन, सुशीला, सीनियर लेक्चरर सुरेंद्र कौर, नरेंद्र सिंह, देवेंद्र, मनोज कुमार, नरेंद्र सिंह आदि विशेष रूप से मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग ने मलेरिया और डेंगू को मात देने के लिए कसी कमर

करनाल। बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर स्वास्थ्य जांच के लिए शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी बीच डेंगू और मलेरिया को मात देने के लिये भी कमर कस ली है। जनता को जागरूक करने के लिये देहात में 150 टीमों को मैदान में उतारा गया है। राहत की बात यह कि जिला में अब तक मलेरिया को कोई केस सामन नहीं आया है। जिला मलेरिया अधिकारी एवं उप सिविल सर्जन डा. अनु शर्मा के अनुसार मलेरिया रोधी अभियान के सार्थक नतीजे सामने आये हैं। वर्ष 2020 व 21 में कोई केस नहीं मिला। विभागीय टीमों की सक्रियता और जनता की जागरूकता के कारण यह संभव हो सका। उन्होंने बताया कि मलेरिया संक्रमित मादा एनोफेलीज और डेंगू एडीज मच्छर से काटने पर होता है। इस समय शहरी क्षेत्र में 10 और देहात में 150 टीमें (आशा वर्कर, एएनएम, एमपीएचडब्ल्यू) न केवल पंचायतों के सहयोग से बल्कि घर-घर जाकर लोगों को जागरूक कर रही हैं। मेडिकल कैंप्स में भी लोगों को बचाव के उपायों से अवगत कराया जा रहा है।

जनता से अपील

डॉ. अनु शर्मा ने लोगों से अपील की है कि हफ्ते में एक बार घरों में पानी के बर्तन, कूलर, फूलदान, हौदी आदि को खाली करने के बाद

सुखाकर ही पानी भरें। पानी के बर्तनों, टंकियों को ढक कर रखें। छत पर पड़े मटके, टायर, बोतल व अन्य टूटे-फूटे बर्तनों को हटा दें ताकि उनमें पानी जमा न हो। घरों के आसपास पानी से भरे गड्ढों में काला तेल डालना अथवा मिट्टी भरें, पूरी बाजू के कपड़े पहनें तथा सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें।

टेमीफोस दवा

उन्होंने बताया कि टीमों को दूषित पानी में काला तेल और साफ पानी में डालने के लिये टेमीफोस दवा उपलब्ध कराई गई। एक लीटर पानी में यह दवा चार चम्मच डालनी होती है। बताया कि यदि कोई पंचायत या ग्रामीण मांग करते हैं तो वहां फोगिंग और डेल्टामेथ्रन का छिडकाव करने के लिये टीमें तैयार हैं।

मुफ्त प्लेटलेट्स की सुविधा

डा अनु के अनुसार यदि कोई डेंगू मरीज कल्पना चावला मेडिकल कालेज एवं अस्पताल तथा नागरिक अस्पताल में दाखिल होता है तो इलाज कर रहे डाक्टर की अनुशंसा पर मरीज को मुफ्त प्लेटलेट्स उपलब्ध कराये जायेंगे।

डेंगू बुखार के लक्षण

अचानक तेज बुखार होना, छाती व ऊपर के हिस्सों में दानों का निकलना, सिर के अगले हिस्से में जोरदार दर्द, शरीर के जोडों में दर्द, भूख न लगना, जी मितलना, उल्टी आना।

मलेरिया बुखार के लक्षण

ठंड लगकर बुखार आना, शरीव में दर्द, सिरर्दद व उल्टी, कोई भी बुखार मलेरिया हो सकता है।

अपना मन फाउंडेशन के पौधारोपण एवं पौधा वितरण अभियान का आयोजन

रेवाड़ी। अपना मन फाउंडेशन के पौधारोपण एवं पौधा वितरण अभियान के तहत गणेशी लाल हिंदू स्कूल गढ़ी बोलनी रोड पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया स्कूल की प्रिंसिपल दीपिका शर्मा ने सब से आग्रह किया की नर्सरी से पौधा तभी लाएं जब आप उसकी देखभाल कर पाए, टीम की सदस्य अनुराधा सैनी ने सभी बच्चों को लगाए गए कुछ औषधीय पौधों के गुणों के बारे में अवगत कराया एवं कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए सभी का धन्यवाद किया,यह पौधे पुनीत अरोड़ा, निवासी - फरीदाबाद ने अपनी माता श्रीमती कांता रानी एवं पिता श्री जगदीश लाल के जन्मदिवस के मौके पर लगवाए है। पौधारोपण में पुष्पांजलि हॉस्पिटल से न्यूरो सर्जन डॉक्टर दीपक , सर्जन हेमंत का विशेष योगदान रहा, टीम के सदस्य कृपाल सिंह उनकी धर्मपत्नी दिव्या एवं माताजी ने भी पौधारोपण किया , टीम के सदस्य मनोज सैनी ने बताया कि अपना मन फाउंडेशन टीम जल्द ही एक मियावाकी तकनीक से रेवाड़ी में एक और जंगल लगाने जा रही है इस तकनीक से रेवाड़ी में 8 जंगल पहले भी लगा चुकी है जो आज पूरे जंगल बन चुके हैं, कार्यक्रम को सफल बनाने में टीम के सदस्य घनश्याम सैनी, दीपक कुमार, नीरज सैनी एवं स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन से नीतू, प्रवीण, सचिन कुमार, सचिन पीटीआई सर,राम एवं स्कूली बच्चों का विशेष योगदान रहा , मौके पर स्कूल में 50 से ज्यादा फलों फूलो और छायादार पौधे लगाए गए और लगभग 50 पौधे बच्चों को वितरित किए गए

पी.एम. श्री मॉडल संस्कृति राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुंजपुरा में हुआ सांझी सभा का गठन

करनाल। पी.एम. श्री मॉडल संस्कृति राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुंजपुरा में सांझी सभा (एसएमसी) का गठन का किया गया। सांझी सभा में अभिभावकों ने बढ चढकर भाग लिया। कुंजपुरा प्रिंसिपल सत्यवीर सिंह ने आए हुए सभी अभिभावकों एवं कलस्टर से आए अध्यापकों का स्वागत किया। सांझी सभा में पिछ्ले दो वर्षो का लेखा जोखा प्रस्तुत किया व सरकार की ओर से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। सभी की सर्वसम्मति से ममता देवी को अध्यक्ष चुना गया। अनुज कांबोज, इंद्रपाल, कविता, वंदना, सीमा, संतरो, रीना, सुष्मा लैक्चरर उमा, सत्यवान को एसएमसी का सदस्य चुना गया। सभी नवनियुक्त सदस्यों को शपथ दिलवाई गई। पदेन सदस्य के तौर पर प्रधानाचार्य और एबीआरसी को एसएमसी में चुना गया। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमति सुमित मेहला ने किया। सभी नवनियुक्त सदस्यों ने वादा किया कि हम विद्यालय के कार्यो में हर संभव सहयोग करेंगे। मास्टर दलीप मेहला ने शपथ दिलाई एवं हम भी पढने जाएंगे, साक्षर देश बनाएंगे। मम्मी पापा हमें पढाओ, स्कूल में चलकर नाम लिखाओ आदि साक्षरता से संबंधित नारे लगवाए। सांझी सभा में विशेष रूप से प्रिंसिपल सत्यवीर सिंह, श्रीमति सुमित मेहला, एबीआरसी तुषार राणा, एसएमसी इंचार्ज उमा, राकेश राणा, सुधा भारती, दलीप मेहला, किरण, सीमा, परविंद्र, सुधीर आर्य, सत्यवान, सुरेंद्र, पूजा, ममता, पवन तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

हकृवि के शिविर में कलाकारों ने लोकगीत व नृत्य की प्रस्तुति देकर मेहमानों को हरियाणवी संस्कृति से जोड़ा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में संध्याकाल में विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश के स्वयंसेवकों ने हरियाणवी नृत्य, गायन व वादन में बेहतरीन प्रस्तुति देकर समां बांधा। कलाकारों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से लोकगीतों, वेशभूषा, संस्कृति का परिचय देकर 16 राज्यों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शकों को हरियाणवी संस्कृति से जोड़ा, जिससे कलाकारों ने खूब तालियां बटोरी। इसके अलावा कलाकारों ने रैंप वॉक कर हरियाणवी रहन-सहन से लेकर जीवन शैली का परिचय दिया। इसी प्रकार, शिविर के दूसरे दिन प्रातःकाल विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में युवा व प्राचीन भारत विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर समाजसेवी कृष्ण कुमार रहे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को यदि जिम्मेदार नागरिक बनाना है तो शुरु में ही उनको कर्त्तव्यों का बोध करवाना आवश्यक है। इसके अलावा मुख्य वक्ता ने संस्कृति के दो पहलू त्याग व सेवा को आधार बताया। उन्होंने बताया कि हमें आर्थिक ढांचे को सुधारने की बजाय सर्वप्रथम सांस्कृतिक ढांचे को सुधारने की जरूरत है। इससे पूर्व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, डॉ. चंद्रशेखर डागर सहित अन्य एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी भी मौजूद रहे।

जेल से बाहर बर्थडे मनाएगा राम रहीम, 30 दिन की पैरोल, बरनावा डेरे में रहेगा, सिरसा जाने पर रोक

हिसार। सिरसा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को 30 दिन की पैरोल मिल गई है। वह कुछ समय में रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर आएगा। राम रहीम इस बार भी क्के बागपत स्थित बरनावा आश्रम में रहेगा। उसे सिरसा डेरे में जाने की इजाजत नहीं है। इससे पहले उसके लिए सिरसा से घोड़े और गाय पहुंचाए गए हैं और वहां पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। राम रहीम का 15 अगस्त को जन्म दिन है, इसलिए सजा मिलने के बाद वह पहली बार जेल से बाहर अपना जन्म दिन प्रेमियों के बीच मनाएगा। राम रहीम को इसी साल जनवरी में 40 दिन की पैरोल मिली थी। कैद के 30 महीने में राम रहीम की यह 7वीं पैरोल है।

बाढ़ पीड़ितों के लिए दुआ मांगते की वीडियो वायरल हुई

वहीं राम रहीम की बुधवार रात को एक वीडियो वायरल हुई। इस वीडियो में राम रहीम बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए भगवान से दुआ मांग रहा है और डेरा प्रेमियों से राहत कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील कर रहा है। हालांकि, यह वीडियो राम रहीम की पिछली पैरोल की है।

उस समय वह बागपत में गया था, तब असम में बाढ़ आई हुई थी। वीडियो वायरल होने के बाद डेरा प्रेमियों के प्रबंधन के पास फोन पहुंचने शुरू हो गए हैं। तब डेरा प्रबंधन ने उन्हें सूचित किया कि यह पिछला वीडियो नहीं है। डेरा प्रवक्ता जितेंद्र इंसां का कहना है कि यह वीडियो पुरानी है।

पैरोल से जुड़े राम रहीम के विवाद

राम रहीम को फरवरी 2022 में जब पैरोल मिली तो पंजाब और यूपी में विधानसभा चुनाव थे। तब भी सरकार के इस फैसले को लेकर विवाद हुआ था। जिस पर सरकार को सफाई देनी पड़ी थी।

मंत्री और सांसद भी होते हैं नतमस्तक

राम रहीम की पैरोल पर बाहर आते ही भाजपा नेता कतार में लगकर आशीर्वाद लेते हैं। हरियाणा सरकार के मंत्री समेत सांसद और कई भाजपा नेता राम रहीम के

दरबार में नतमस्तक हो चुके हैं। इसमें हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार और ष्ट्ररूके पूर्व राजनीतिक सलाहकार कृष्ण बेदी, हिसार निगम के मेयर गौतम सरदाना, पानीपत की मेयर अवनीत कौर आदि आशीर्वाद ले चुके हैं।

तिरंगा पैटर्न बोतल पर विवाद

राम रहीम ने पिछली पैरोल के दौरान ऑर्गेनिक सब्जियों के टिप्स देते समय तिरंगा पैटर्न की बोतल यूज की। इसे यूज करके नीचे फेंक देता है। जिस पर विवाद हुआ था। जिसके बाद उसने खुद ही सफाई देता हुए कहा था ये तिरंगा नहीं है, केवल रंग है।

रेवाड़ी में प्लाट के नाम पर 30 लाख की धोखाधड़ी, फर्जी मालिक बन बेची जमीन

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी शहर में एक शख्स के साथ 30 लाख रुपए की धोखाधड़ी हो गई। उसने पत्नी के नाम पर 45 लाख रुपए में प्लाट खरीदा था। बेचने वाले ने खुद को प्लाट का मालिक बताया, लेकिन जब असली मालिक सामने आया तो उसके झूठ से पर्दा उठ गया। उसने पुलिस के सामने फर्जीवाड़े को कबूल करते हुए 15 लाख रुपए लौटा भी दिए, लेकिन बचे हुए 30 लाख रुपए नहीं देने पर उसके खिलाफ सिटी थाना में धोखाधड़ी की स्नढ्ढक्र दर्ज कराई है।

जनवरी 2022 में खरीदा था प्लाट

मिली जानकारी के अनुसार, रेवाड़ी शहर के दिल्ली रोड स्थित इंदिरा कॉलोनी निवासी राजबीर सिंह की राजस्थान के जिला अलवर में गांव सिलारपुर निवासी मदन लाल से अच्छी जान-पहचान थी। इसी जान पहचान के चलते एक दिन मदनलाल ने बताया कि उसका दिल्ली रोड पर 810 वर्ग गज का एक प्लाट है, जिसे वह बेचना चाहता है। इस बीच मदनलाल और राजबीर के बीच इस प्लाट को लेकर 45 लाख रुपए में सौदा तय हो गया।

पत्नी के नाम कराया प्लाट

सौदा तय होने के बाद राजबीर ने मदनलाल से पुरानी रजिस्ट्री मांगी तो आरोपी ने कहा कि वह काफी पुरानी थी, जिसके चलते गुम भी हो गई। उन्होंने फर्द के आधार पर अपनी पत्नी उषा देवी के नाम प्लाट की रजिस्ट्री करा ली। साथ ही कुछ दिन बाद इंतकाल भी चढ़ गया। सौदे के वक्त आरोपी मदनलाल ने जमीन पर खुद का कब्जा बताया था। कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद जब राजबीर ने प्लाट पर कंस्ट्रक्शन का काम शुरू किया तो प्लाट का असली मालिक मदन लाल आ गया।

सेम नाम होने का उठाया फायदा

असली मालिक मदनलाल ने राजबीर से प्लाट से संबंधित जानकारी मांगी तो उसने अपनी पत्नी के नाम पर दर्ज इंतकाल और रजिस्ट्री की कॉपी दिखाई। मामला गड़बड़ाने के बाद राजबीर ने आरोपी मदनलाल को बुलाया। पहले तो वह टरकाता रहा, लेकिन जब उसने दबाव बनाया तो अपनी गलती स्वीकार कर ली। दरअसल, प्लाट को बेचने वाले आरोपी मदनलाल और असली मालिक मदनलाल दोनों के पिता का सेम नाम है। इसी का फायदा उठाकर उसने प्लाट को बेच दिया। आरोपी मदनलाल अलवर के सिलारपुर गांव का रहने वाला है तो असली मालिक मदनलाल रेवाड़ी शहर के मोहल्ला खासापुरा का रहने वाला है।

पुलिस के सामने फर्जीवाड़ा कबूला

पीड़ित राजबीर ने बताया कि उसका खुद का कपड़े का कारोबार है। उसने पाई-पाई एकत्रित कर 45 लाख रुपए में प्लाट खरीदा था। आरोपी राजबीर ने जब मदनलाल से पैसे मांगे तो वह टरकाने लगा। राजबीर ने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दे दी। पुलिस ने जब दोनों पक्षों को बुलाया तो पुलिस के सामने आरोपी मदनलाल ने फर्जीवाड़े को कबूल कर लिया और पैसे वापस लौटाने की बात कही। आरोपी मदनलाल ने 15 लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से वापस लौटाए भी, लेकिन बचे हुए 30 लाख रुपए नहीं दिए। राजबीर ने अब सिटी पुलिस को शिकायत देकर उसके खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है।

देश का नाम विश्व में रोशन किया है विश्व बैंक की वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ अनुकृति ने : डॉ यादव

नारनौल। विश्व बैंक, वाशिंगटन डीसी अमेरिका की वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ एस अनुकृति आज महिलाओं की आदर्श और प्रेरणा-स्रोत बन चुकी हैं। इन्होंने अपने प्रदेश के साथ देश का नाम भी विश्व में रोशन किया है। यह कहना है सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी (राजस्थान) के कुलपति डॉ उमाशंकर यादव का। अपने गृहनगर आगमन पर डॉ अनुकृति का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि आज इन्हें अपने बीच पाकर हम सब गौरवान्वित अनुभव कर रहे हैं। पूर्व प्राचार्य और प्रमुख पर्यावरणविद् डॉ आर एन यादव ने स्पष्ट किया कि नारनौल जैसे छोटे शहर और पिछड़े क्षेत्र में पैदा हुई डॉ अनुकृति ने अपने माता-पिता के संघर्ष से प्रेरणा लेकर न केवल देश-विदेश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षा संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की है, बल्कि विश्व बैंक में वरिष्ठ अर्थशास्त्री बनकर नया प्रतिमान भी स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि डॉ अनुकृति डिवेलपमेंट इकोनॉमिक्स की विशेषज्ञ होने के कारण विश्व के आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। नगरपरिषद् की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने अनुकृति का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ अनुकृति साधारण होकर भी असाधारण हैं। इनके सहज-सरल रहन-सहन और

सौम्य आचरण को देखकर कोई कल्पना भी नहीं कर सकता कि यह इतने उच्च पद पर आसीन हैं। इस अवसर पर डॉ अनुकृति ने स्पष्ट किया कि युवा-कल्याण और महिला-सशक्तिकरण उनकी प्राथमिकता है तथा इसके लिए वह सदैव प्रयासरत रहेंगी। स्थानीय सैक्टर-1, पार्ट-2 स्थित अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र मनुमुक्त भवन में हुए इस संक्षिप्त कार्यक्रम में अनुकृति की माता डॉ कांता भारती, पिता डॉ रामनिवास %मानव% और पति तथा वाशिंगटन डीसी (अमेरिका) स्थित एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के वरिष्ठ कंसल्टेंट प्रोफेसर सिद्धार्थ रामलिंगम के अतिरिक्त सुरेश शर्मा और कृष्णकुमार शर्मा, एडवोकेट, प्रिंसिपल मुकेश कुमार, रघबीर सैनी, रुचिर शर्मा, देवेश कुमार, दलजीत गौतम, मुंशीराम रेवाड़ी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

राजकीय माध्यमिक विद्यालय लिसाना में किया एसएमसी का पुनर्गठन

रेवाड़ी। जिले के गांव राजकीय माध्यमिक विद्यालय लिसाना में एसएमसी का पुनर्गठन किया गया जिसमें मनोहर लाल को एसएमसी प्रधान व श्रीमती अंजू को उप -प्रधान बनाया गया । मौलिक स्कूल मुख्याध्यापक श्री राजेश कुमार थीरान ने पिछ्ली एसएमसी का विद्यालय में सहयोग करने पर सभी का धन्यवाद किया और आगे भी इसी तरह विद्यालय में सहयोग करते रहने का आग्रह किया। नई गठित समिति के सदस्यों का स्वागत किया गया व स्कूल कार्यो में सहयोग की शपथ दिलाई ।अंत में हेडमास्टर व सभी स्टाफ सदस्यों ने अभिभावकों का धन्यवाद किया।

फसलों को कीटों के नुकसान से बचाने के लिए ट्रैप का प्रयोग करें किसान : डा. प्रेम कुमार

नारनौल। बागवानी फसलों को बारिश के मौसम में हानिकारक कीट पतंगे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बागवानी फसलों को कीटों के नुकसान से बचाने के लिए किसान फीरोमैन ट्रैप, लाईट ट्रैप व स्टीकी ट्रैप का उपयोग कर सकते हैं। इन पर बागवानी विभाग 75 प्रतिशत तक का अनुदान दे रहा है। यह बात जिला उद्यान अधिकारी डॉ प्रेम कुमार ने आज गांव सिलारपुर, बलाह कला, बलाह कला खुर्द, दौचाना व गोद में किसानों को बागवानी के बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित कैंप में किसानों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि अलग-अलग फसलों के लिए अलग-अलग फीरोमैन ट्रैप का उपयोग किया जाता है। एक किसान के लिए अनुदान की अधिकतम सीमा 10 एकड़ है। ट्रैप का उपयोग करने से हानिकारक कीट पतंगों से फसल का बचाव हो जाता है व कीटनाशकों पर किसान का खर्चा नहीं होता जिससे फसल की गुणवत्ता अच्छी होती

है। किसान आवेदन के माध्यम से स्वीकृति लेने के बाद किसी भी इम्पैनलड फर्म द्वारा ट्रैप खरीद कर बिल विभाग में जमा करवा सकता है। अनुदान के लिए किसान सर्वप्रथम मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण कर के बागवानी विभाग की साईट एचओआरटी डॉट जीओवी डॉट इन पर आवेदन करें। यह पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर आधारित है। फसलों को बचाने के लिए हानिकारक कीट को पहचान कर ही फीरोमैन ट्रैप/लाईट ट्रैप/स्टीकी ट्रैप का चुनाव करें। अमरूद, नींबूवर्गीय, बेर में फल मक्खी के लिए एफआरयूएलयूआरई नामक कैप्सुल का उपयोग करें। कद्दूवर्गीय फसलों में कूकुरलर एंव बैंगन में फल एंव तना भेदक के लिए ल्यूसीनोड्स ऑर्बोनालिस नामक कैप्सुल का उपयोग करें। सफेद मक्खी के लिए यलो स्टीकी ट्रैप का प्रयोग करें।

उन्होंने बताया कि इसके साथ-साथ थैच्ड हट बना कर किसान मशरूम की खेती करके भी अपनी आमदनी बढा सकता है। इसके लिए थैच्ड हट बनाने पर कुल खर्चा 30 हजार रुपए आता है व अनुसूचित जाति के किसानों के लिए 85 प्रतिशत व सामान्य किसानों के लिए 75 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। थैच्ड हट में एक किसान 100 मशरूम ट्रे रख सकता है जिस पर 30 हजार रुपए का खर्चा आता है व सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों के लिए 85 प्रतिशत व सामान्य किसानों के लिए 50 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। सामान्य किसानों को ढीगंरी मशरूम की खेती करने पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

उन्होंने बताया कि बागवानी से संबंधित अन्य किसी जानकारी के लिए किसान संबंधित उद्यान विकास अधिकारी कार्यलय में सम्पर्क कर जानकारी ले सकते हैं।

भारतीय मूल के 15 लोगों गिरफ्तार, कनाडा में वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, 92 लाख डॉलर बरामद

टोरंटो । कनाडा पुलिस ने भारतीय मूल के 15 लोगों को गिरफ्तार कर वाहन चोरी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इनसे कुल 92 लाख कनाडाई डॉलर की संपत्ति बरामद की गई जिनमें 69 लाख कनाडाई डॉलर मूल्य के चोरी के वाहन और 22 लाख कनाडाई डॉलर मूल्य के चोरी के ट्रैक्टर-ट्रेलर शामिल हैं। पील रीजनल पुलिस ने बुधवार को बताया कि पील रीजनल नगरपालिका क्षेत्र और ग्रेटर टोरंटो एरिया में कई ट्रैक्टर-ट्रेलर और वाहनों की चोरी की घटनाओं की जांच के लिए मार्च में एक संयुक्त कार्यबल का गठन किया गया था। जांच में इसे प्रोजैक्ट बिग रिंग का नाम दिया गया और इस गिरोह का भंडाफोड़ कर विभिन्न शहरों से भारतीय मूल के 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों की आयु 22 से 45 वर्ष के बीच है। चोरी के वाहनों में व्यावसायिक मालवाहक वाहन, एटीवी और अन्य वाहन शामिल हैं।

घर के बाहर जली हुई मिली सिखों की पवित्र पुस्तक गुटका साहिब

लंदन । ब्रिटेन में एक घर के बाहर सिखों की पवित्र पुस्तक गुटका साहिब जली हुई अवस्था में मिली है। जानकारी मिलते ही पुलिस ने उस घटना की जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि इंग्लैंड के लीड्स में एक सिख पवित्र पुस्तक को आग लगा दी गई थी और एक समुदाय के सदस्य के घर के बाहर कूड़ेदान में फेंक दिया गया था। एक बुजुर्ग सिख व्यक्ति और उसकी बेटी को 12 जुलाई को सेंट ऐनीज़ रोड, हेडिंग्ले में अपने घर के बाहर जला हुआ और फटा हुआ गुटका साहिब मिला। वे जले हुए धर्मग्रंथ को गुरुद्वारा साहिब मंदिर में ले आए, इसके बाद समुदाय के एक सदस्य ने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया। इस मामले में पुलिस ने कहा कि उन्हें शाम 5.03 बजे हेडिंग्ले इलाके में हुई एक घटना की रिपोर्ट 16 जुलाई को.मिली। वेस्ट यॉर्कशायर पुलिस ने 18 जुलाई को साझा किए गए एक बयान में कहा कि स्थानीय सिख समुदाय के एक प्रतिनिधि ने बताया कि सेंट ऐनीज़ रोड में एक सिख समुदाय के सदस्य के घर के बाहर एक पवित्र पाठ क्षतिग्रस्त पाया गया था। पुलिस ने कहा कि नस्लीय या धार्मिक रूप से गंभीर आपराधिक क्षति के लिए अपराध दर्ज किया गया है और घटना की पूरी परिस्थितियों का पता लगाने के लिए पूछताछ जारी है। लीड्स डिस्ट्रिक्ट कमांडर मुख्य अधीक्षक स्टीव डोड्स ने कहा कि इस तरह का कोई भी अपराध, जिसे पीड़ित या कोई अन्य व्यक्ति अपनी जाति या धर्म के प्रति शत्रुता या पूर्वाग्रह से प्रेरित मानता है, उसे घृणा अपराध माना जाता है और हम इस प्रकृति की सभी घटनाओं को बहुत गंभीरता से लेते हैं। लीड्स जिला सीआईडी के जासूसों द्वारा जांच शुरू की गई है, जो घटना की पूरी परिस्थितियों और अपराध के पीछे की मंशा को लेकर व्यापक पूछताछ कर रहे हैं।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को है भूलने की अजीब आदत, हुए परेशान

नोवगोरोद । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भूलने की अजीब बीमारी के चलते परेशान होना पड़ रहा ?है। इस तरह से पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें लगातार बढ़ती जा रहीं हैं। जबकि क्रेमलिन ने जोर देकर कहा है कि रूसी राष्ट्रपति का स्वास्थ्य अच्छी स्थिति में हैं। जबकि एक बार फिर एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान पुतिन की भूलने की आदत फिर सामने आ गई। जिससे लोगों को कयासबाजी का मौका मिल गया। रूसी राष्ट्रपति इस दौरान एक डिप्टी मेयर के बच्चे की उम्र को लेकर भ्रमित हो गए। क्रेमलिन में हुई एक बातचीत के दौरान भूलने की आदत ने एक बार फिर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज कर दीं। पुतिन को डिमेंशिया होने की अफवाह फैलते ही क्रेमलिन ने जोर देकर कहा है कि रूसी राष्ट्रपति का स्वास्थ्य अच्छा है। ब्लॉगर उलियाना याप्पारोवा द्वारा ट्वीट की गई एक क्लिप में व्लादिमीर पुतिन को इवान शटोकमैन के साथ बात करते हुए दिखाया गया है। इवान शटोकमैन को अपने बिजनेस में सफलता के बारे में बात करते हुए एक सैन्य वर्दी में देखा गया। जिसने उन्हें निज्नी नोवगोरोद शहर का डिप्टी मेयर बनने के लिए प्रेरित किया। इसी तरह यूक्रेन युद्ध के बीच सेना में शामिल होने के अपने फैसले के बारे में बताते हुए उन्होंने व्लादिमीर पुतिन से कहा कि देश का भविष्य अब तय किया जा रहा है। जबकि इससे रूसी राष्ट्रपति प्रभावित दिखे। फिर उन्होंने कहा कि आखिर में इसमें सबसे महत्वपूर्ण चीज है, इस देश के लिए समर्पण। यह हमारे बच्चों और आपके बच्चों के भविष्य के लिए एक संघर्ष है। इसके बाद व्लादिमीर पुतिन ने उनके बच्चों की उम्र पूछी। इवान शटोकमैन ने जवाब दिया कि सबसे छोटा नौ साल का है और बड़ा 23 साल का है। इस पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मोर्चे पर जाने के इवान शटोकमैन के फैसले की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपका छोटा बच्चा तीन साल का है। हाल ही में रूसी राष्ट्रपति पुतिन को एक ऑनलाइन चर्चा करते हुए देखा गया। जहां उन्होंने यूक्रेन में सैनिकों की मौत के बारे में इरकुत्स्क के गवर्नर इगोर कोबजेव की खबर पर तीखी प्रतिक्रिया दी। जब इगोर कोबजेव ने अपने क्षेत्र के सैनिकों के बारे में बात की, तो व्लादिमीर पुतिन ने तुरंत जवाब दिया कि उन्हें मेरा सलाम। इस तरह से उनकी भूलने की आदत से लोग वा ?किफ भी हो रहे हैं।

रूस के हमलों की तैयारी से 60 हजार टन अनाज हुआ बेकार

वाशिंगटन। रूस के हमलों की तैयारी से 60 हजार टन अनाज खराब होने के समाचार मिल रहे हैं। दरअसल यूक्रेन से दुनियाभर के देशों में खाद्यान्न आपूर्ति की अनुमति देने वाले समझौते से रूस के पीछे हटने के कुछ दिन बाद अमेरिका ने सचेत किया कि रूसी सेना काला सागर में असैन्य पोतों पर संभावित हमले की तैयारी कर रही है। काला सागर अनाज समझौते से इस सप्ताह बाहर आने के बाद रूस ओडेसा में यूक्रेन के अनाज निर्यात बंदरगाहों पर मिसाइल और ड्रोन से पहले ही हमले कर चुका है। इन हमलों में लगभग 60,000 टन अनाज नष्ट हो गया है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एडम हॉज ने एक बयान में कहा कि हमारी जानकारी से संकेत मिलता है कि रूस ने यूक्रेनी बंदरगाहों के रास्ते में अतिरिक्त समुद्री खदानें बिछाई हैं। प्रवक्ता ने कहा कि हमारा मानना है कि यह काला सागर में असैन्य पोतों के खिलाफ किसी भी हमले को उचित ठहराने और इन हमलों के लिए यूक्रेन पर दोष मढ़ने का एक समन्वित प्रयास है। रूस के समझौते से बाहर आने के बावजूद यूक्रेन ने खाद्यान्न की ढुलाई जारी रखने का संकल्प लिया है। इसके बाद रूसी रक्षा मंत्रालय ने काला सागर के उत्तर-पश्चिमी और दक्षिणपूर्वी हिस्सों में अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र को जहाजरानी के लिए अस्थायी रूप से खतरनाक घोषित किया है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से भारतीय मूल की छात्रा घायल

ह्यूस्टन । एक भारतीय मूल की छात्रा आकाशीय बिजली की चपेट में आने से घायल हो गई है। जानकारी के अनुसार अमेरिका के ह्यूस्टन विश्वविद्यालय (यूएच) में पढ़ने वाली भारतीय मूल की छात्रा पर आकाशीय बिजली गिरने से उसके मस्तिष्क को क्षति पहुंची है और अस्पताल में उसका इलाज किया जा रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, सुसरून्या कोडुरु यूएच में सूचना प्रौद्योगिकी की पढ़ाई कर रही है। दो जुलाई को जब वह सैन जैकिंटो स्मारक पार्क में अपने दोस्तों के साथ तालाब के किनारे घूम रही थी तभी उस पर आकाशीय बिजली गिर गई। सुसरून्या कोडुरु के चचेरे भाई सुरेंद्र कुमार कोठा ने बताया कि आकाशीय बिजली की चपेट में आने के साथ ही वह तालाब में जा गिरी। इसके बाद उसे दिल का दौरा भी पड़ गया और उसके मस्तिष्क को भी क्षति पहुंची है। कोठा ने कहा कि अभी उसे दीर्घकालीन और जरूरी चिकित्सा देखभाल की जरूरत है। हालांकि भारत में रहने वाले कोडुरु के माता-पिता उसे अपने पास लाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि उसे जल्दी स्वस्थ होने में मदद मिल सके। पिता सुरेंद्र ने कहा, कि उसकी देखभाल के लिए उसे हवाई मार्ग से भारत में परिवार के पास ले जाने में मदद की जरूरत है। उसके सहयोगियों ने उसके इलाज में मदद करने और उसे अपने परिवार से मिलाने के लिए ऑनलाइन अभियान भी चलाया गया है।

नैरोबी में वन केन्या अलायंस संगठन ने टेक्स बढ़ाने के विरोध में पदर्शन किया। इस दौंरान कई जगहों पर आगजनी भी हुई।

ज़ेलेंस्की को नहीं रास आई अपनी आलोचना, ब्रिटेन में यूक्रेन के राजदूत को कर दिया बर्खास्त

कीव। राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने शुक्रवार को ब्रिटेन में यूक्रेन के राजदूत वादिम प्रिस्टाइको को पद से बर्खास्त कर दिया, जिसके कुछ दिनों बाद दूत ने सार्वजनिक रूप से राष्ट्रपति की आलोचना की। एक राष्ट्रपति आदेश में कहा गया कि प्रिस्टाइको को अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन में यूक्रेन के प्रतिनिधि के रूप में भी हटा दिया गया था। उन्होंने बर्खास्तगी का कोई कारण नहीं बताया। पिछले सप्ताह स्काई न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में प्रिस्टाइको से निवर्तमान ब्रिटिश रक्षा सचिव बेन वालेस की उस टिप्पणी के बारे में पूछा गया था जिसमें उन्होंने सुझाव दिया था कि कीव को रूस की कब्जे वाली ताकतों से लड़ने के लिए अपने सहयोगियों से हथियारों की आपूर्ति के लिए अधिक आभार व्यक्त करना चाहिए। ज़ेलेंस्की ने जवाब देते हुए कहा कि यूक्रेन हमेशा अपने कट्टर सहयोगी ब्रिटेन का आभारी है। ब्रिटिश मीडिया ने उन्हें यह कहते हुए भी उद्धृत किया कि वालेस उन्हें बता सकते हैं कि उन्हें अपना आभार कैसे व्यक्त करना है या फ़हम सुबह उठकर मंत्री के प्रति कृतज्ञता के अपने शब्द कैसे व्यक्त कर सकते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या ज़ेलेंस्की व्यंग्यात्मक थे, प्रिस्टाइको ने स्काई को बताया कि 'थोड़ा व्यंग्य' था जब राष्ट्रपति ने कहा कि हर सुबह वह उठेंगे और बेन वालेस को धन्यवाद देने के लिए बुलाएंगे। ज़ेलेंस्की के आदेश में यह नहीं बताया गया कि 53 वर्षीय अनुभवी राजनयिक और पूर्व उप प्रधान मंत्री प्रिस्टाइको की जगह कौन लेगा, जिन्होंने तीन साल तक ब्रिटेन में राजदूत के रूप में पद संभाला था।

पनी जमीन का इस्तेमाल किसी देश के खिलाफ नहीं होने देगा,

अफगान मंत्री ने इधर किया वादा, उधर टीटीपी ने पाकिस्तानी पुलिस चौकी उड़ा दी

इंटरनेशनल डेस्क।। सीमा पार से बढ़ते हमलों के बीच अफगानिस्तान के लिए पाकिस्तान के विशेष दूत आसिफ दुर्रानी से अफगान विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी ने मुलाकात की है। वहीं अफगानी मंत्री ने कहा है कि उनकी सरकार क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए काम करेगी। तालिबान को मनाने के लिए पाकिस्?तान सरकार ने विशेष दूत काबुल भेजा है। लेकिन टीटीपी आतंकियों ने एक पुलिस चौकी पर भीषण हमला करके उसे तबाह कर दिया। पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के एक अशांत कबाइली जिले में बृहस्पतिवार को प्रतिबंधित पाकिस्तानी तालिबान के दो आत्मघाती हमलावरों द्वारा एक तहसील भवन परिसर में किए गए दोहरे धमाकों में चार पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, और कई अन्य घायल हो गए।

मुत्ताकी ने तालिबान शासन के तहत अफगानिस्तान की स्थिरता पर इस्लामाबाद में बढ़ती चिंताओं के समय मई में अपने वर्तमान पद पर नियुक्त अनुभवी राजनयिक दुर्रानी के साथ बातचीत की। सीमा पर बढ़ती हिंसा और पाकिस्तानी तालिबान - प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी हमलों में तेज वृद्धि के कारण दोनों पड़ोसियों के बीच तनावपूर्ण संबंध हैं, जिसके बारे में इस्लामाबाद का कहना है कि 2021 में अफगान तालिबान के अधिग्रहण से उसका हौसला बढ़ गया है। बैठक के दौरान, मुत्ताकी ने दुर्रानी से कहा कि अफगान कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। हम किसी को भी अपनी धरती का इस्तेमाल दूसरे देश के खिलाफ नहीं करने देंगे। तालिबान के इस वादे के ठीक बाद ही टीटीपी आतंकियों ने आत?मघाती हमला करके पुलिस चौकी को उड़ा दिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ये विस्फोट तब हुए जब पुलिस पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर की सीमा से लगे खैबर कबाइली जिले में बारा तहसील भवन में प्रवेश करने वाले लोगों की जांच कर रही थी। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने तहसील भवन के अंदर स्थित एक थाने को निशाना बनाया, जिसके बाद पुलिस बलों और आतंकवादियों के बीच जबरदस्त गोलीबारी हुई। उन्होंने बताया कि विस्फोट की वजह से आसपास की इमारतें भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

भीषण गर्मी के कारण अमेरिका के अमीर शहर शिकागो में मंडराया खतरा

-जलवायु परिवर्तन का हो रहा असर, अनेक स्थानों पर खिसक रही है जमीन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के सबसे अमीर शहर शिकागो पर इन दिनों खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यहां जलवायु परिवर्तन के कारण भीषण गमी का ऐसा असर हो रहा है कि जमीन खिसकने की तौबत आ रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार हमारे धरातल के नीचे तापमान बढ़ रहा है जिससे भूमिगत जलवायु परिवर्तन की अवधारणा को बल मिल रहा है लेकिन हमारा बुनियादी ढांचा इस हिसाब से तैयार नहीं किया गया है। इस समय जमीन खतरनाक रफ्तार से गर्म हो रही है और अनुसंधानकर्ताओं ने यह तापमान वृद्धि प्रति दशक 0.1 से 2.5 डिग्री सेल्सियस मापी है।शिकागो शहर में इमरातों, मल्टीलेवल सड़कों और सबवे से लेकर रेलवे लाइन के नीचे तक की जमीन धंस रही है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर एलेसेंड्रो रोटा लोरिया ने कहा कि तापमान में बदलाव के परिणामस्वरूप जमीन खराब हो रही है, और कोई भी मौजूदा नागरिक संरचना या बुनियादी ढांचा इन बदलावों के बारे में सोचकर डिजाइन नहीं किया गया है। इससे इमारत की नींव और आसपास की जमीन अत्यधिक हिल जाती है और कभी-कभी इसमें दरार पड़ जाती हैं, जिससे संरचनाओं के टिकाऊपन पर असर पड़ता है।

शोधकर्ताओं ने शिकागो के सेंसर-प्राप्त तापमान के आंकड़ों पर सिमुलेशन का उपयोग कारने पर पाया कि गर्म तापमान के कारण जमीन में 12 मिलीमीटर तक विस्तार हुआ और इमारत के वजन के नीचे 8 मिमी तक संकुचन और धंसाव हुआ है। दुष्प्रभावों को लेकर दावा किया जा रहा है कि भूमिगत जलवायु परिवर्तन के कारण भूजल प्रदूषण या भूमिगत रेलवे में समस्याएं पैदा हो सकती हैं, जिससे पटरियों में सिकुड़न हो सकती है या अत्यधिक गर्मी के कारण यात्री बीमार पड़ सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका के सबसे बड़े शहरों में से एक है शिकागो में कई करोड़पति और अरबपति रहते हैं। अमीरों की लिस्ट में शिकागो सांतवे नंबर पर है. इस शहर में 1,60,100 करोड़पति हैं और इस शहर में 7,400 मल्टी-मिलेनियर हैं. जबकि, इस शहर में 340 सेंटी-मिलेनियर और 28 अरबपति हैं।

मुहर्रम की शुरुआत होते ही आतंकी हमले तेज, तीन पुलिसकर्मी व एक नागरिक की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में मुहर्रम का महीना शुरू होते आतंकवादी हमले तेज हो गए हैं। जानकारी के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत और उसके आसपास के आदिवासी इलाकों में आतंकवादी हमलों में तीन पुलिसकर्मी व एक नागरिक की मौत हुई है। पुलिस के अनुसार, पुलिस की वर्दी पहने दो आत्मघाती हमलावर एक कार में सवार होकर बारा में तहसील कार्यालय परिसर में पहुंचे और कंटीले तारों की बाड़ को काटकर परिसर में घुस गए। एक प्रांतीय पुलिस अधिकारी ने कहा कि जैसे ही अतिरिक्त घुसपैठियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाईं, दो आत्मघाती हमलावरों ने मुख्य द्वार से परिसर में प्रवेश करने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में, वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने आत्मघाती हमलावरों पर गोलियां चला दीं, इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि गोलीबारी के कारण दोनों आत्मघाती हमलावरों के विस्फोटकों से भरे जैकेट में विस्फोट हो गया, इसके परिणामस्वरूप कार्यालय की इमारत का एक हिस्सा ढह गया।

इसके बाद हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकवादी समूह के एक गुट जमात-उल-अहरार ने ली थी। यह घटना पेशावर के रेगी मॉडल टाउन इलाके में घटी है। हालांकि एक हमले में दो पुलिसकर्मियों के मारे जाने और दो अन्य के घायल होने के कुछ ही घंटों बाद ही जिम्मेदारी ले ली गई है। टीटीपी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हमलों के मद्देनजर, अधिकारियों ने देश भर में मुहर्रम जुलूस के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तानी सेना के जवानों की तैनाती की घोषणा की है। सिंध, बलूचिस्तान, केपी और पंजाब प्रांतों के साथ-साथ गिलगित-बाल्टिस्तान (जीबी) और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर सरकार से कानून और व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना तैनात करने का अनुरोध किया है।

किम जोंग उन पर रेडिएशन नदारत, करने जा रहे हैं परमाणु परीक्षण

-वैज्ञानिकों की चेतावनी के बावजूद भी कोई असर नहीं, सारी तैयारियां पूरी

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अब रेडिएशन को नदारत करते हुए परमाणु परीक्षण करने की तैयारी में हैं। इसके लिए उन्होंने परमाणु विशेषज्ञों की चेतावनी को भी नहीं मानने की ठान ली है। जानकारी के मुताबिक अमेरिका से तनाव के बीच उत्तर कोरिया परमाणु परीक्षण करने जा रहा है। तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी सेना को परीक्षण की तैयारियां पूरी रखने के लिए कहा है। इस बीच परमाणु विशेषज्ञों का कहना है कि अगर उत्तर कोरिया कोई परमाणु परीक्षण करता है तो उससे रेडिएशन का खतरा पैदा हो सकता है। उनका दावा है कि उत्तर कोरिया का अंडरग्राउंट न्यूक्लियर टेस्ट रूम परमाणु परीक्षण के बाद पैदा हुए रेडिएशन को रोकने में सक्षम नहीं है। उत्तर कोरिया ने अब तक छह परमाणु परीक्षण किए हैं। इनमें सबसे पहला 9 अक्टूबर 2006 और अंतिम वाला 9 सितंबर 2017 में किया गया था। पहला परमाणु परीक्षण दो किलोटन का था, जबकि अंतिम में हाइड्रोजन बम परीक्षण का दावा किया गया था

इस मामले में उत्तर कोरिया के विशेषज्ञ जैकब बोगल ने बताया कि जैसे ही किम जोंग-उन आदेश देंगे, वैसे ही पुंग्ये-री में साइट तैयार हो जाएगी। पुंग्ये-री उत्तर कोरिया का परमाणु परीक्षण स्थल है। उन्होंने कहा कि किम ने आखिरी बार 2017 में परीक्षण के लिए पुंगये-री साइट पर बड़ा लाल बटन दबाया था। तब परमाणु विस्फोट के कारण करीब 20 छोटे-छोटे भूकंप आए थे। इन भूकंपों ने पहले से ही कमजोर हो चुके अंडरग्राउंट न्यूक्लियर टेस्टिंग रूम को अस्थिर कर दिया था। ऐसे में डर है कि अगर एक और परमाणु परीक्षण होता है, तो रिपेयर कर काम लायक बनाई गईं विस्फोट वाली सुरंगें परमाणु बम की ताकत का सामना करने में सक्षम नहीं होंगी। इससे उनमें पड़ी दरारों के माध्यम से रेडिएशन फैल सकता है, जिससे लोग खतरे में पड़ जाएंगे। जॉर्डन बोगल ने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने आकलन किया है कि पुंग्ये-री पिछले साल से एक और भूमिगत परमाणु परीक्षण करने के लिए तैयार है।

हालांकि, साइट की हालिया सैटेलाइट तस्वीरों की समीक्षा करने पर ऐसे कोई संकेत नहीं हैं कि उत्तर कोरिया तुरंत कोई परमाणु परीक्षण करने जा रहा है। लेकिन क्षेत्र का रखरखाव किया जा रहा है और किम जोंग उन के आदेश देते ही यह परीक्षण के लिए तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि नए वारहेड डिजाइनों को वैलिडेट करने के लिए उत्तर कोरिया के लिए सातवां परमाणु परीक्षण आवश्यक है। ऐसे में एक परमाणु परीक्षण की उम्मीद की जा रही है, लेकिन इसके लिए समय सीमा फिलहाल अज्ञात है। वहीं अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के पूर्व महानिदेशक ओली हेइनोनेन ने सहमति जताते हुए कहा कि उत्तर कोरिया के सुरंग तीन की मरम्मत की गई है और शायद यह परीक्षण के लिए तैयार है।

रूस के साथ डबल गेम खेल रहा पाकिस्तान? मुंह पर ना-ना लेकिन तीसरे देश के जरिए यूक्रेन को कर रहा हथियारों की सप्लाई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भुखमरी की जिंदगी काट रहे पाकिस्तान में परमाणु बम बेचने की मांग उठ रही थी। अब खबरें आ रही हैं कि पाकिस्तान यही खतरनाक खेल खेल सकता है। मीडिया में खबरें आई कि पाकिस्तान ने बड़ी मात्रा में यूक्रेन को हथियार बेचने का फैसला किया। खबरें तो तो इस बात को लेकर भी आई कि पाकिस्तान अपना डर्टी न्यूक्लियर बम भी यूक्रेन को बेच सकता है। पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए यूक्रेन के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो से मिलने के लिए इस्लामाबाद पहुंचे। बता दें कि पाकिस्तान को रूस ने संकट के समय सहायता की थी। ऐसे में यूक्रेन के विदेश मंत्री की इस यात्रा को लेकर रूस नाराज दिख रहा है।

हालांकि पाकिस्तान रूस की नाराजगी मोल नहीं लेना चाहता है। इसलिए उनसे शुरू से ही पूरे मामले पर सफाई देनी शुरू कर दी है। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान यूक्रेन को हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति नहीं कर रहा है। हालांकि कई रिपोर्ट्स ये कह रही है कि पाकिस्तान सीधे तौर पर नहीं, बल्कि किसी तीसरे देश के जरिए यूक्रेन तक हथियार पहुंचा रहा है। पाकिस्तानी मीडिया की माने तो यूक्रेन के विदेश मंत्री चाहते हैं कि पाकिस्तान अपना न्यूट्रल स्टैंड छोड़ यूक्रेन का साथ दें।

वहीं रूस नाराज न हो जाए इसलिए पाकिस्तानी विदेश मंत्री सफाई देते फिर रहे हैं। बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने यूक्रेनी समकक्ष दिमित्रो कुलेबा के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में यह टिप्पणी की। इससे पहले दोनों नेताओं ने आपसी और द्विपक्षीय हितों के मामलों पर विस्तृत बातचीत की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा की और पाकिस्तान ने यूक्रेन के विदेश मंत्री के साथ मौजूदा स्थिति पर अपनी गहरी चिंता साझा की और जनहानि और भारी मानवीय पीड़ा पर अपनी संवेदना व्यक्त की। एक सवाल के जवाब में ज़रदारी ने कहा, पाकिस्तान यूक्रेन को कोई हथियार नहीं मुहैया करा रहा है।

संस्कार उजाला

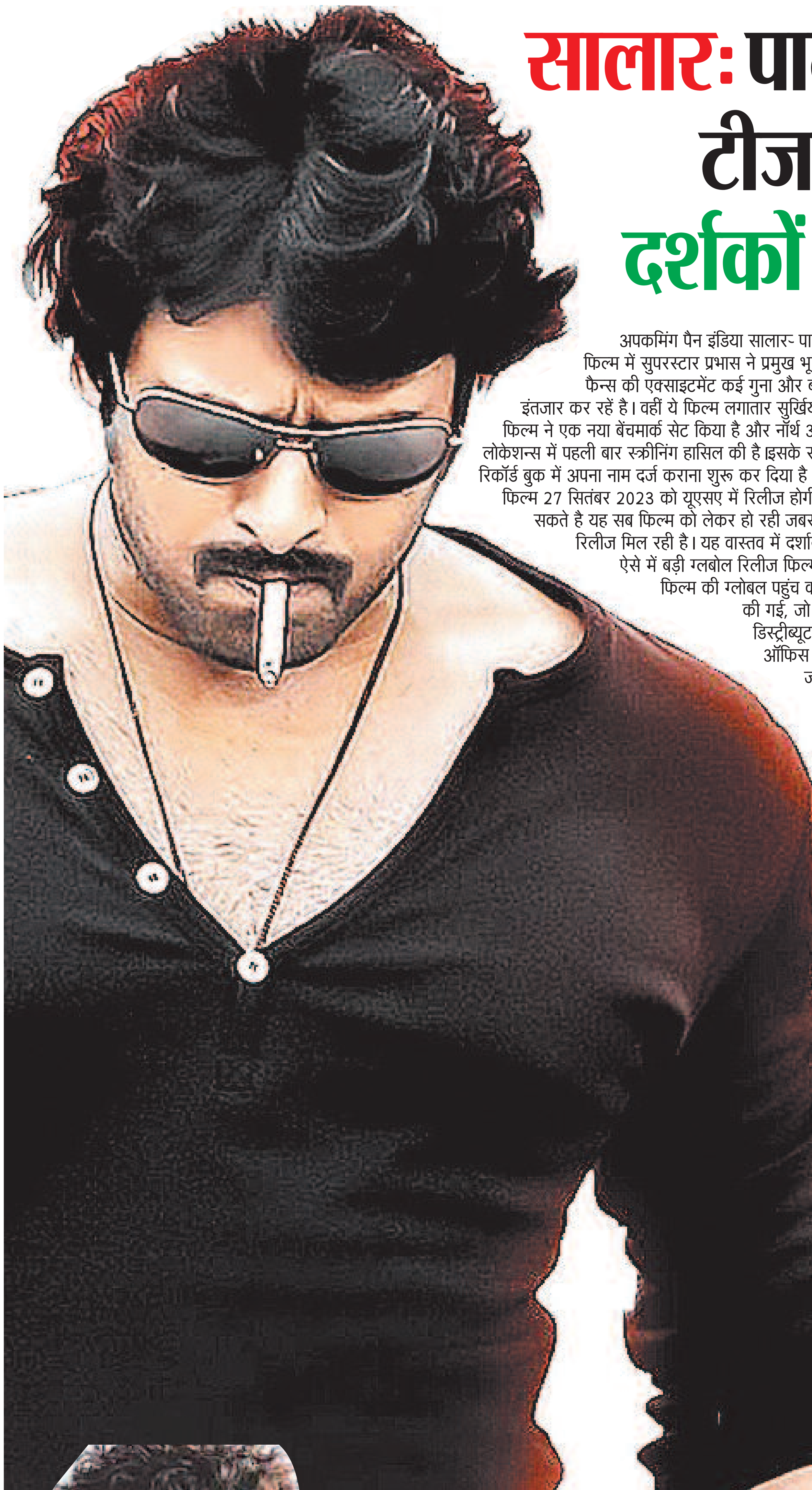

सालार: पार्ट 1 सीजफायर टीजर लॉन्च के बाद दर्शकों का उत्साह बढ़ा

अपकमिंग पैन इंडिया सालार- पार्ट 1 सीजफायर वाली सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में सुपरस्टार प्रभास ने प्रमुख भूमिका निभाई है। फिल्म का टीजर लॉन्च के बाद से ही दर्शकों और फैन्स की एक्साइटमेंट कई गुना और बढ़ गई है। ऐसे में अब सभी बस फिल्म के सिनेमाघरों में लगने का इंतजार कर रहें है। वहीं ये फिल्म लगातार सुर्खियों में भी है, और फिल्म को लेकर आई लेटेस्ट अपडेट की माने तो फिल्म ने एक नया बेंचमार्क सेट किया है और नॉर्थ अमेरिका में 1979 से ज्यादा जगहों और 5,000 से अधिक विदेशी लोकेशन्स में पहली बार स्क्रीनिंग हासिल की है।इसके साथ ही सालार- पार्ट 1 – सीजफायर ने रिलीज से काफी पहले ही रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराना शुरू कर दिया है। मुश्किलों को पार करते हुए और नए बेंचमार्क सेट करते हुए, यह फिल्म 27 सितंबर 2023 को यूएसए में रिलीज होगी, जो पहले कभी किसी भारतीय फिल्म के साथ नहीं हुआ है। कह सकते है यह सब फिल्म को लेकर हो रही जबरदस्त चर्चा का ही नतीजा है कि फिल्म को विदेशों में बड़े पैमाने पर रिलीज मिल रही है। यह वास्तव में दर्शाता है कि दुनिया भर के डिस्ट्रीब्यूटर्स को फिल्म पर पूरा भरोसा है। ऐसे में बड़ी ग्लबोल रिलीज फिल्म की मांग और विदेशी बाजार में चर्चा को दर्शाता है, जो वास्तव में फिल्म की ग्लोबल पहुंच का फायदा उठाता है। इस खबर की घोषणा प्रत्यंगिरा सिनेमाज द्वारा की गई, जो बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म की ओवरसीज रिलीज को देख रहा है। डिस्ट्रीब्यूटर्स ने अपने सोशल मीडिया पर कैप्शन दिया हमारी तरफ से बॉक्स ऑफिस बुलडोजर को ग्रैंड सैल्यूट.... उस आदमी के जन्मदिन साल को उन जगहों के साथ चिह्नित करते हुए जिन्हें हम नॉर्थ अमेरिका में रिलीज़ कर रहे हैं। प्रभास 1979 लोकेशन्स – किसी भी भारतीय फिल्म के लिए ऑल टाइम रिकॉर्ड रिलीज़।सालार- पार्ट 1 – सीज़फ़ायर को प्रमुख प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स द्वारा काफी बड़े बजट में बनाया गया है और इसका निर्देशन प्रशांत नील ने किया हैं।

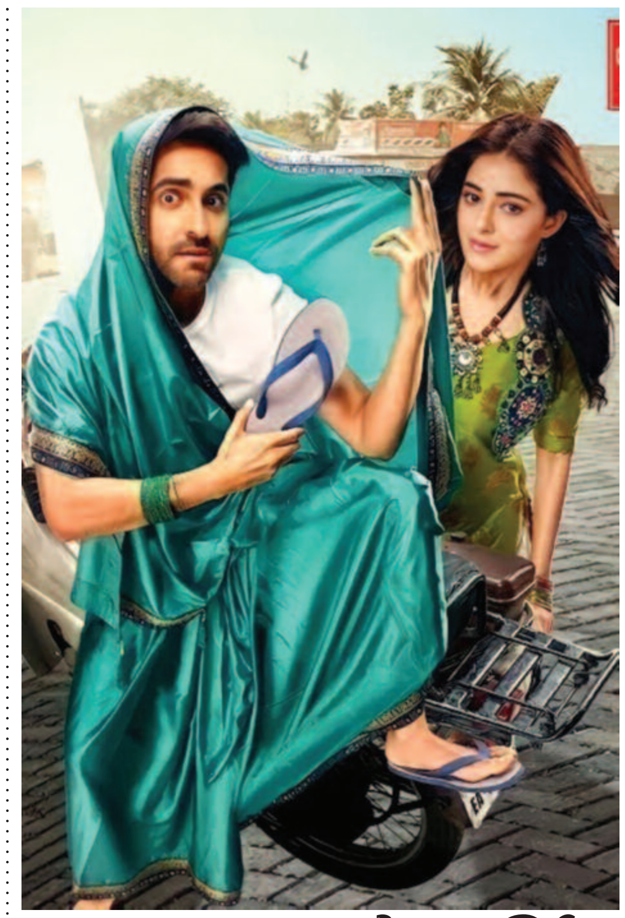

25 अगस्त को प्रदर्शित होगी आयुष्मान की ड्रीम गर्ल-2

आयुष्मान के करियर की सबसे बड़ी हिट कॉमिक सेपर ड्रीम गर्ल थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर 142.26 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी। यह आयुष्मान के करियर की सबसे बड़ी हिट भी है।

इसलिए, जब सीक्वल की घोषणा की गई, तो इससे उद्योग जगत और प्रशंसकों में काफी उत्साह फैल गया। निर्माताओं ने शाहरुख खान की पठान और सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान की रिलीज के आसपास विचित्र प्रोमो जारी किए और इसे खूब सराहा गया। सिने गलियारों में बहती बरसाती हवाओं का कहना है कि हाल ही में इस फिल्म को 12 दिन तक लगातार रीशूट किया गया है। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार हाल ही में फिल्म का त्वरित रीशूट हुआ है। एक सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया, 'निर्देशक राज शांडिल्य और निर्माता एकता कपूर ने फिल्म का पहला कट देखा। वे फिल्म से खुश थे लेकिन उन्हें लगा कि इसमें सुधार की गुंजाइश है। उन्होंने आयुष्मान और अन्य लोगों से बात की और वे सभी दोबारा शूटिंग करने के लिए तुरंत तैयार हो गए। यह कार्यक्रम 12 दिनों तक चला और इस महीने की शुरुआत में हुआ। पुनः शूटिंग शनिवार, 15 जुलाई को मुंबई के मड आइलैंड में पूरी हुई। सूत्र ने आगे कहा, 卐लोकप्रिय धारणाओं के विपरीत, रीशूट बहुत आम बात है और कई फिल्में इसके लिए गई हैं।

हाल ही में, दिल्ली क्राइम का दूसरा सीज़न भी मुख्य शूटिंग पूरी होने के बाद फिर से शूट किया गया, और परिणाम सभी के सामने है। महामारी के बाद, लोग पहले जैसा संपूर्ण मनोरंजन का अनुभव करने के लिए सिनेमाघरों में आना चाहते हैं। इसलिए, निर्माताओं को लगा कि उन्हें अतिरिक्त प्रयास करना चाहिए क्योंकि यह इसके लायक होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या फिल्म 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो पाएगी, सूत्र ने जवाब दिया, रिलीज की तारीख में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राज शांडिल्य ने पहले ही रीशूट दृश्यों पर काम करना शुरू कर दिया है और उन्हें विश्वास है कि फिल्म अपने तय समय पर ही प्रदर्शित होगी।

कंगना रनौत ने रणबीर कपूर और आलिया की शादी को झूठा करार दिया

कंगना रनोट बॉलीवुड की वो बिंदास एक्ट्रेस हैं, जो अपनी बात कहने से बिल्कुल भी नहीं कतराती हैं। हाल ही में कंगना रनोट ने एक ऐसा ही पोस्ट शेयर किया, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। कंगना ने इंडायरेक्टली रणबरी कपूर और आ?लिया भट्ट की शादी को फेंक बताया है। अपने इस हालिया पोस्ट में एक्ट्रेस ने एक कपल की शादी पर निशाना साधते हुए उन्हें फर्जी बताया है। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने ये भी लिखा कि एक्टर उनसे मिलने की भीख मांग रहा था। कंगना रनोट ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की। इस पोस्ट में उन्होंने एक कपल को फर्जी बताया और उनकी शादी के बारे में खुलासा किया। कंगना ने अपनी स्टोरी में जो बातें लिखी हैं उससे सोशल मीडिया पर ये अंदाजा लगाया जा रहा है कि एक्ट्रेस ने इस पोस्ट के जरिये रणबीर कपूर और आलिया भट्ट पर इनडायरेक्टली निशाना साधा है। कंगना ने अपनी इंस्टा स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, फर्जी(फेक) हसबैंड और वाइफ की जोड़ी(कपल) की एक और न्यूज, जो अलग-अलग फ्लोर पर रहते हैं और ऐसे दिखाते हैं जैसे वह कपल हो। हालांकि, अपनी इस पोस्ट में कंगना ने कहीं भी उन दोनों का नाम मेंशन नहीं किया है। कंगना ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, ये कपल फिल्म घोषणाओं के बारे में फेक न्यूज फैलाते हैं, जो कि बनी भी नहीं है। मिंत्रा को खुद का ब्रांड बताते हैं। इसके अलावा किसी ने भी ये नहीं लिखा कि कैसे पत्नी और बेटी को हालिया फैमिली ट्रिप में नजरअंदाज किया गया। जबकि, तथाकथित पति मुझे टेक्स्ट कर रहा था और मिलने की गुजारिश कर रहा था। इस फर्जी जोड़ी को बेनकाब करने की जरूरत है। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले रणबीर कपूर लंदन में अपनी मां नीतू कपूर की बर्थडे पार्टी में शामिल हुए थे, जबकि आलिया भट्ट इंडिया में बेटी के साथ थी। कंगना यहीं पर नहीं रुकीं उन्होंने एक और स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, ऐसा ही होता है जब आप मूवी प्रमोशन, पैसे और काम के लिए शादी करते हैं। कंगना रनोट ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, इस एक्टर ने माफिया डैडी के प्रेशर में आकर शादी की। उससे ये प्रॉमिस किया गया था कि पापा की परी से शादी करने पर उसे ट्रायोलॉजी रिटर्न में मिलेगी।

आलिया निभा रही इंटेलेक्चुअल बंगाली जर्नलिस्ट का किरदार

बालीवुड की रोमांटिक ड्रामा रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में आलिया, जो एक इंटेलेक्चुअल बंगाली जर्नलिस्ट रानी चटर्जी का किरदार निभा रही हैं, ने जवाब देते हुए कहा- रणवीर और करण का जो एप्रिसिएशन है, वह मैंने कहीं और नहीं देखा। करण और मैं फ्लो के साथ चलना चाहते हैं। हमने तो बस मजे किये। रणवीर के पास 51 वर्षीय फिल्ममेकर के बारे में शेयर करने के लिए कुछ मजेदार बातें थी। उन्होंने कहा, करण या मेरे अंदर ऐसा मर्द है जिनके अंदर दिल्ली की आंटी है। तेजतर्रार पंजाबी लड़के रॉकी रंधावा का किरदार निभा रहे रणवीर ने कहा, हम कपड़ों, ब्रांड के बारे में बात करते हैं।

करण जन्म से ही एंटरटेनर हैं। मैं अभी उठा और सेट पर जाने के लिए उत्सुक था। यह एक तरह का दोस्तों का गेट टुगेदर था। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म में आलिया-रणवीर शादी करने से पहले एक-दूसरे के परिवारों के साथ रहने का फैसला करते हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई, नई दिल्ली, रूस और जम्मू-कश्मीर में की गई है।

जोया अख्तर द्वारा निर्देशित 2019 की फिल्म गली बॉय के बाद इस फिल्म में आलिया और रणवीर एक बार फिर स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। हीरू यश जौहर, करण जौहर और अपूर्व मेहता द्वारा निर्मित यह फिल्म 28 जुलाई को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। बता दें कि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में के गाने वे कमलिया के लॉन्च पर मुख्य जोड़ी रणवीर सिंह और आलिया भट्ट ने निर्देशक करण जौहर के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। लॉन्च के दौरान दोनों से करण के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया।

जीनत अमान ने रेखा संग अपनी तस्वीर पोस्ट की

अभिनेत्री जीनत अमान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने रेखा के साथ पुरानी तस्वीर साझाकर अपने प्रशंसकों से कहा कि हम दोनों में काफी गहरा रिश्ता है। ज़ीनत ने रेखा को ऐसा दोस्त बताया जिसके साथ वहां घंटों चैट कर सकती हैं। तस्वीर में रेखा को जीनत की बाहों में बाहें डाले और अपना चेहरा छिपाते हुए देखा जा सकता है। जहां जीनत अच्छी ड्रेस में सुंदर लग रही हैं, वहीं रेखा साड़ी में खूबसूरत दिख रही हैं। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, सालों तक हमारी कोई बातचीत नहीं होती, फिर हम एक दिन टकराएंगे और बिना किसी हिचकिचाहट के जीवन के अपडेट साझा करने में बिताएंगे। किसी और के पास ऐसा कोई दोस्त है? हालांकि जीतन ने कहा कि उन्हें स्पष्ट रूप से याद नहीं है कि तस्वीर कब की है और उन्होंने अपने प्रशंसकों से कहा कि यदि उन्हें याद हो तब उनकी मदद करें। उन्होंने लिखा, मैं जीवन भर यह याद नहीं कर पाऊंगी कि यह तस्वीर कहां ली गई थी, लेकिन मैं इस आपमें से किसी के सामने नहीं रखूंगी! यदि आप ऐसा करते हैं, तब कृपया मुझे बताएं। जीनत अमान और रेखा के प्रशंसक तस्वीर देखकर बहुत खुश हुए और अभिनेत्री को उनकी यादें ताजा करने में मदद करने की कोशिश करने लगे। इस बीच, जीनत को आखिरी बार आशुतोष गोवारिकर की पानीपत में देखा गया था। अब वह शोस्टॉपर नाम की वेब सीरीज के साथ अपना ओटीटी डेब्यू करने के लिए तैयार हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011